सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 262 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 5 जूलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

लगातार कस रहा नक्सलियों पर शिकंजा

साय सरकार की रणनीति से खात्मे की ओर नक्सली, आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति भी कारगर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलने के बाद नक्सलियों के खात्मे की ठोस रणनीति के कारगर नतीजे सामने आए हैं। नक्सल प्रभावित राज्यों के साथ मिलकर की जा रही चहुंओर घेराबंदी के चलते नक्सलियों को भागने या बच निकलने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। इसके चलते या तो नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं या फिर मारे जा रहे हैं। राज्य से नक्सलवाद की जड़ें लगातार कार्रवाई से कमजोर हो चुकी है। करीब 6 महीनों में ही डेढ़ सौ के करीब नक्सलियों को मार गिराया गया है। बीहड़ों में स्वयं को मजबूत करने के लिए माओवादी आमतौर पर बरसात के मौसम का सहारा लेते रहे हैं, क्योंकि बरसात में नदी-नाले उफान पर होने की वजह से फोर्स की गश्त बंद हो जाती थी। लेकिन आपरेशन मानसून के जरिए अब सुरक्षा बल व पुलिस के जवान लगातार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भीतर तक पहुंच रहे हैं।

उच्चस्तरीय सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में नक्सली लगभग रोजाना समर्पण कर रहे हैं। उनके पास समर्पण के अलावा और कोई रास्ता भी नहीं है, क्योंकि ऐसा न करने की स्थिति में मृत्यु का भय सदैव बना रहता है। मुख्यधारा में शामिल होने वाले समर्पित नक्सली भी इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि सुरक्षा बल व पुलिस जवानों की कार्रवाइयों से न केवल नक्सलियों बल्कि उनके समर्थकों में भी दहशत है। जंगलों में नक्सलियों को सहयोग करना ग्रामीणों की बड़ी मजबूरी रही है, लेकिन अब फोर्स के पहुंचने और लगातार माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई से ग्रामीणों का हौसला भी बुलंद हुआ है। वे अब उन मजबूरियों से बाहर निकलने लगे हैं, जो नक्सलियों की वजह से जन्म लेती रही है। छत्तीसगढ़ की साय सरकार नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार विकास के काम करवा रही है। इन क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, स्कूल खोले जा रहे हैं। मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की भरपूर कोशिशें की जा रही है। इन सबने ग्रामीणों को प्रभावित किया है।

अबूझमाड़ जैसे इलाकों में जवानों की पहुंच आसान होने का भी अच्छा परिणाम सामने आया है। हाल ही में 72 घंटों के अभियान में सुरक्षा बल को बड़ी कामयाबी मिली। यहां के कोड़तामेटा क्षेत्र के घमंडी व हिकुलनार के जंगलों में नक्सलियों के हथियार बनाने के अस्थाई डेरे को ध्वस्त किया गया। इस डेरे में नक्सलियों के शीर्ष स्तर के केंद्रीय समिति के नेता सोनू उर्फ भूपति, कोसा व माड़ डिविजन की प्रभारी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य माड़ डिवीजन की सचिव रनिता उर्फ जयमति सहित 70 से 80 नक्सली उपस्थित थे, पर सुरक्षा बल के आने की भनक लगने के बाद वे वहां से भाग खड़े हुए। पीछे रह गई टीम के साथ सुरक्षा बल की मुठभेड़ हुई। पुलिस के अनुसार, नक्सल डेरे से मिले लेथ मशीन, बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लांचर) के खाली खोखे, होंडा कंपनी का जनरेटर, स्प्रिंग, खाली पाइप सेल व अन्य मशीनों से इस बात की पुष्टि हुई है कि इस डेरे का उपयोग नक्सली देशी

हथियार बनाने के लिए करते थे। मुठभेड़ में सुरक्षा बल ने पांच नक्सलियों को मार गिराया, जिनकी पहचान केंद्रीय समिति सदस्य के सुरक्षा सदस्य के रुप में हुई है। मारे गए सभी नक्सली पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कंपनी नंबर एक के सदस्य थे। तीन घायल नक्सली को भी सुरक्षा बल ने घटनास्थल से पकड़ा। घटनास्थल के अलग-अलग स्थानों से एक 303 रायफल, दो 315 बोर रायफल, दो मजल लोडिंग रायफल, एक बीजीएल लांचर, छह बीजीएल सेल व भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ सहित अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी सामान मिले।

जवानों के शौर्य से टूटे माओवादी

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार की नीतियों ने नक्सलियों की जड़ें खोखली कर दी है। जवानों को नक्सल-अभियान के दौरान खुली छूट दी गई है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में माओवादियों का खात्मा हो रहा है। इससे पहले उन पर कई तरह की बंदिशें लगाई गई थी। जिसके चलते अभियान अपने मंसूबों को पूरा करने में कामयाब नहीं रहा और नक्सली लगातार वारदातों को अंजाम देते रहे। लेकिन अब स्थितियां पूरी तरह से बदल चुकी है। बस्तर आइजीपी सुंदरराज पी. के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने मानसून में भी क्षेत्र के भौगोलिक विकट परिस्थितियों से निपटते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हुए नक्सलियों से लड़ते हुए नक्सल विरोधी माड़ बचाओ अभियान को सफल बनाया है। यह नक्सलियों के विरूद्ध कड़ा प्रहार है। लगभग 40 वर्ष से माड़ नक्सलवाद के भय व हिंसा ग्रस्त रहा है लेकिन अब यहां के मूलवासी व ग्रामीण हिंसा, भय एवं नक्सलवाद से मुक्त माड़ की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि शासन की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति को अपनाकर समाज के मुख्य धारा से जुड़े।

शाह के रोडमैप ने दिखाई राह

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के सफाए के लिए 3 साल का वक्त निर्धारित किया था। इसके लिए एक रोडमैप पर तैयार किया गया। प्रदेश की साय सरकार इसी रोडमैप पर आगे बढ़ रही है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह का रोडमैप है कि नक्सलियों के आर्थिक स्रोतों की पूरी तरह नाकेबंदी कर उन्हें मिलने वाले फंड को रोका जाए। इसका असर भी शुरू हो गया है। साथ ही नक्सलियों को मिलने वाले हथियारों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इतना ही नहीं, नक्सलियों को उनकी ही मांद में घेरने की रणनीति में भी सुरक्षाबल को लगातार सफलता मिल रही है। जनवरी 2024 में शाह ने छत्तीसगढ़ में ही बैठक लेकर नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को अधिक तेज करने की रणनीति बनाई थी। इसी का असर है कि फोर्स की हालिया कार्रवाई में हथियारों की देशी फैक्ट्री का पता चला। संभवतः बाहर से हथियारों की आवाजाही नहीं होने से नक्सलियों को स्थानीय स्तर पर ही हथियार बनाने की नौबत आई। हालांकि इस पर भी अंकुश लगा है।

बैकफुट पर माओवादी

नक्सलवाद के खिलाफ सख्त और बेहतर रणनीति के चलते माओवादी बैकफुट पर हैं। वर्ष 2024 में अब तक बस्तर संभाग के अंतर्गत हुई विभिन्न मुठभेड़ में कुल 136 नक्सलियों के शव मिले हैं। इसमें सर्वाधिक जिला बीजापुर- 51, कांकेर-34 व नारायणपुर- 31 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। इससे सुरक्षा बलों के हौसले बुलंद हैं। एक के बाद एक हो रही मुठभेड़ में नक्सलियों को मुंह की खानी पड़ रही है। इससे नक्सलियों में भय का माहौल है। सुरक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, नक्सलवाद के खिलाफ राज्य सरकार ने जिस तरह से मोर्चा खोला है, उसने नक्सलियों को हथियार छोड़ने को लगातार विवश किया है। उल्लेखनीय है कि नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि वह खून खराबा नहीं चाहती है। उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने ईमेल व गूगल फार्म जारी कर नक्सलियों से आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के लिए सुझाव मांगा था। हालांकि इसका नक्सलियों पर ज्यादा असर नहीं हुआ।

खास-खबर

हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय के अवैध ढाबे पर चला बुलडोजर

भिलाई। नेवई थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय उर्फ विजेन्द्र राय के अवैध ढाबे को आज बुलडोजर चलवाकर नेस्तनाबूद कर दिया गया। दुर्ग से उतई रोड पर मरोदा में बीएसपी की लगभग 10 हजार वर्ग फीट जमीन पर पिंकी राय का अवैध कब्जा था। इस कब्जे वाली जमीन पर छत्तीसगढ़ फैमिली ढाबा का संचालन किया जा रहा था। मारपीट और अपहरण के मामले में जेल में बंद पिंकी राय पर 25 से भी ज्यादा अपराध कायम है।

- **मरोदा में उतई रोड पर बीएसपी की 10 हजार वर्ग फीट जमीन पर था कब्जा**
- **अपहरण मामले में जेल में बंद पिंकी पर दर्ज है 25 से ज्यादा अपराध**

ग्लोब चौक पर पिछले दिनों हुए गोली कांड के बाद बीएसपी प्रवर्तन विभाग की आक्रामकता देखते बन रही है। इसका ताजा उदाहरण आज फिर एक बार देखने को मिला है। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बीएसपी प्रवर्तन विभाग की टीम ने आज उतई रोड पर मरोदा में स्थित

छत्तीसगढ़ फैमिली ढाबा पर बुलडोजर चलवा दिया। इस ढाबे का संचालन बीएसपी की जमीन पर अवैध निर्माण कर हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय उर्फ विजेन्द्र राय के द्वारा किया जा रहा था। इस वक्त पिंकी राय जेल में बंद है। उसके खिलाफ नेवई सहित अलग-अलग थानों में हत्या का प्रयास, बलवा, मारपीट जैसे 25 से भी ज्यादा अपराध कायम है।

यहां पर यह बताना लाजिमी होगा कि जुलाई 2021 को हिस्ट्रीशीटर पिंकी राय की कार पर दूसरे प्रतिद्वंद्वी गैंग ने मरोदा टंकी क्षेत्र में गोली चला दी थी। वहीं 23 मई 2024 को विपिन सिरसाम का नगर निगम रिसाली के तामेश दुकान के पास रात 10 बजे अपहरण किया। पहले उससे मारपीट की और उसके बाद पिंकी राय, शैलेष निर्मलकर एवं ओम चौधरी ने अपनी नीले रंग की एक्सयुवी 700 कार में बैठाकर अपनी दुकान राय ट्रेडर्स आफिस में ले गए। दुकान का शटर बंद कर तीनों ने विपिन के साथ मारपीट की। इस मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर उपरोक्त धारा 294, 323, 506, 365, 342, 34 भादवि का अपराध कायम कर गिरफ्तारी हुई थी। ताजा मामले में सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि बीएसपी द्वारा असामाजिक तत्वों के अवैध कब्जों को ध्वस्त करने अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बदमाश पिंकी राय के अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई में सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल उपलब्ध कराया गया।

छत्तीसगढ़ में बड़ा हादसा : कुएं से शख्स को निकालने उतरे लोग जहरीली गैस की चपेट में आए, पांच की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां एक कुएं ने पांच लोगों का जीवन लील लिया है। दरअसल कुएं में गिरे एक शख्स को निकालने उतरे पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है। बताया जा रहा है कुएं में जहरीली गैस फैल गई जिसके कारण इन सभी की मौत होना बताया जा रहा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतकों में पिता व उसके दो बेटे व दो अन्य शामिल हैं। घटना जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम किकिरदा में रहने वाले रामचंद्र

जायसवाल (60) घर के पीछे कुएं में गिरी लकड़ी निकालने गया। इस दौरान कुएं में गैस रिसाव होने लगा और वह बेहोश हो गया। इसके बाद पत्नी के शोर मचाने पर रामचंद्र जायसवाल को बचाने सबसे पहले पड़ोसी रमेश पटेल (50 वर्ष) आया और वह कुएं के अंदर गया। उसकी भी सांसें भरने लगीं, फिर उसे बचाने उसके दो बेटे राजेंद्र (20) और जितेंद्र (25) भी कुएं के अंदर चले गए। जब चारों कुछ देर तक नहीं लौटे तो पड़ोस में रहने वाला टिकेश्वर चंद्रा (25) भी इन लोगों को बचाने के लिए कुएं अंदर चला गया। लेकिन जहरीली गैस के रिसाव से वह भी बेहोश हो गया। इस हादसे में पिता और 2 बेटों समेत 5 लोगों की जान चली गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद बिर्रा पुलिस और तहसीलदार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे हैं। वहीं एसडीआरएफकी टीम को भी बुलाया गया है। इस दौरान जिले के एसपी विवेक शुक्ला भी मौके पर पहुंचे गए हैं। कुछ देर बाद सभी पांचो शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एक साथ पांच लोगों की मौत से गांव में मातम का माहौल है। एसडीओपी यदुमणी सिदार ने बताया की आज घटना सुबह 7.30 बजे की है। पति रामचंद्र जायसवाल को कुएं में गिरने के बाद पत्नी ने बचाने के लिए आसपास के लोगों को बुलाया। जहां एक एक कर कुएं में कई लोग उतरे, गैस रिसाव से उनकी मौत हो गई। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

सीएम साय ने जताया दुख

हादसे की सूचना मिलने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि जाांजगीर के ग्राम किकिरदा में कुएं में हुए हादसे में 5 ग्रामीणों की मौत की खबर अत्यंत ही दुःखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं।

अब एक पेड़ मां के नाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ में भी एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू हो गया। छत्तीसगढ़ का क्षेत्रफल एक लाख 35 हजार 191 वर्ग किलोमीटर है। यह देश के कुल भू-भाग का सिर्फ 4।1 प्रतिशत है। इसमें से 59 हजार 772 किलोमीटर क्षेत्र पर वन हैं। पर यह तेजी से घट रहा है। आप कितने भी पेड़ लगा लो, जंगलों को दोबारा खड़ा करना किसी के बस में नहीं लगता। पिछले कई वर्षों से वन विभाग और तमाम शासकीय नर्सरियां स्कूल-कालेजों और स्वेच्छा सेवी संगठनों पर वृक्षारोपण के लिए दबाव बना रही हैं। अव्वल तो पौधों के लेवाल नहीं मिलते। मिल भी गए तो अधिकांश पौधे जहां-तहां गाड़ दिये जाते हैं जहां कुछ समय बाद उनका मरना तय रहता है। अब तो संस्थानों को पर्यावरण दिवस के नाम से ही दहशत होने लगी है। ट्विन सिटी की ही बात करें तो यहां खाली जगह होने और नहीं होने का फर्क सबसे ज्यादा उभर कर सामने आता है। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप में जितने क्वार्टर, बाजार या काम्पलेक्स बने हैं उससे कहीं ज्यादा जगह खाली छोड़ी गई है। यहां सघन वनीकरण किया गया है। यही कारण है कि जब पटरी पार के लोग गर्मियों में टाउनशिप आते हैं तो तापमान में 2 से 3 डिग्री का अंतर साफमहसूस होता है। इसके विपरीत पटरी पार के निजी क्षेत्र में मकानों से सटकर मकान बने हैं। अब तो मकान के आगे पीछे जमीन छोड़ने की जरूरत भी नहीं रही। लोगों के मकान सड़कों तक बने हुए हैं। यहां तक कि गाड़ियां चढ़ाने के लिए बने रैम्प भी सड़कों पर अतिक्रमण कर बनाए गए हैं। हजार-बारह सौ रुपए फुट की जमीन को कोई छोड़े भी तो कैसे। ऊपर से निगम ने खाली स्थानों पर पार्क की योजना शुरू की। इनमें से केवल 20 प्रतिशत पार्कों का ही उपयोग हो रहा है। शेष जगहों पर झाड़-झंखाड़ उगे हुए हैं। यदि इन स्थानों को वनीकरण के लिए चिन्हित कर दिया जाए तो पेड़ किसी के भी नाम से लगे वह कम से कम सुरक्षित तो रहेगा। पौधे लगाने के लिए इससे ज्यादा सुरक्षित जगह हो ही नहीं सकती। भिलाई टाउनशिप में जगह-जगह ऐसे छोटे-छोटे जंगलों को देखा जा सकता है। सरकार को खनिज नीति में भी संशोधन करना होगा। विकास के लिए अंधाधुंध खदानें खोलना और उसे हाथों में सौंप देना, उसी शाख को काटने जैसा है जिसपर आप बैठे हैं। कोयले के लिए मध्य भारत का फेफड़ा कहलाने वाले हसदेव अरण्य क्षेत्र के सैकड़ों हेक्टेयर जंगलों की कटाई हो चुकी है। यह एक जैव विविधता वाला क्षेत्र है जहां हाथी समेत 25 अन्य वन्य प्राणियों का आवास प्रभावित हुआ है। जंगलों की कटाई के बाद से आसपास के गांव वाले दहशत में हैं। पिछले 13 सालों से वो जंगल बचाने की कोशिश कर रहे हैं पर कोई सुनने वाला नहीं। इससे सरकार की प्राथमिकता समझ में आ जाती है।

संपादकीय

पुलों का ढहना

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटना हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली है। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। जाहिर है, कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है।

> मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। कोई भी पुल एक इलाके की हजारों जिंदगियों की अनिवार्यता है। वह भी तब, जब गांव-गांव में दोपहिया और कारों-ट्रैक्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में, पुलों की अहमियत कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में भी प्रकृति के आगे किसी का जोर नहीं चलता। इसलिए किसी अप्रत्याशित तीव्रता वाली धारा के विध्वंस की बात तो फिर भी समझी जा सकती है, मगर छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? यह मुमकिन है कि सीमित संसाधनों के कारण आज से तीन-चार दशक पहले जो पुल बने, वे उतने मजबूत नहीं हों, जो आज के यातायात दबाव को झेल सकें। मगर उनकी जगह मजबूत पुल बनाने की जिम्मेदारी या उन पुलों के रखरखाव का दायित्व भी सरकार का ही है।

इन दिनों पूरे देश में हमारी सरकारों में कुछ बड़ा बनाने और बड़ा रचने की ऐसी होड़ मची है कि हाशिये की जरूरतें उनकी निगाहों से छूट जा रही हैं। मगर देश को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसे स्मार्ट सिटी के साथ-साथ गांवों को भी समृद्ध बनाना होगा। इसके लिए संसाधनों के बंटवारे में विवेकशील होना पड़ेगा। यदि पुल और पुलिया धनाभाव में उपेक्षित होते गए, तो तरक्की के सारे दावे बेमानी ठहरेंगे, क्योंकि मानसून तो हर साल सरकारी दावों की परीक्षा लेगा। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढ़ों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

नजरिया

शिक्षक तो पढ़ा रहे हैं, लेकिन क्या बच्चे सीख भी रहे हैं?

> *शिक्षा का मतलब कभी-भी किसी खाली पात्र में जल भरने तक ही सीमित नहीं रहा है। महान अर्थशास्त्री तथा नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन एवं अभिजीत बनर्जी भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि किसी भी अन्य की तुलना में शिक्षा एकमात्र ऐसा साधन है, जो जीवन के अवसरों में वृद्धि करने का सबसे कारगर जरिया है।*

अतुल मलिकराम (लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार)

हमारे पुराणों में भी कहा गया है 'सा विद्या या विमुक्तये! अर्थात् विद्या वही है, जो मुक्त करे। पहले के समय में जब गुरुकुल शिक्षा हुआ करती थी, तब इस वाक्य का एक-एक शब्द अपनी बात पर खरा उतरता था। इसके मायने 90-2000 के दशक तक भी सटीक ही थे। लेकिन, बीते कुछ वर्षों में हमारे देश में शिक्षा का स्तर काफी नीचे गिर गया है। न तो शिक्षा प्रदान करने वाला इस गर्त में गिरने से खुद को रोक पाया है और न ही शिक्षा अर्जित करने वाला।

शिक्षक बेशक बच्चों को पढ़ाते हैं, लेकिन मेरे मायने में उस शिक्षा का कोई महत्व नहीं, जो सिर्फ सिलेबस पूरा करने तक ही सीमित हो। शिक्षक जो पढ़ा रहा है, बच्चे उसे समझ पा भी रहे हैं या नहीं, यह गंभीर मुद्दा कक्षा में लगे बोर्ड के पीछे ही कहीं छिप जाता है। शायद वह भी शिक्षक की डाँट या मार से डरता हो।

कभी-कभी तो यह लगता है कि सत्र के भीतर सिलेबस को पूरा करना ही शिक्षकों का प्राथमिक कर्तव्य है, बच्चों के ज़हन में इसके अध्याय और उनसे मिलने वाली सीख बैठी या नहीं, इससे उन्हें शायद फर्क पड़ता ही नहीं। एक तथ्य यह भी है कि एक कक्षा में बच्चों की 50 से लेकर 70 तक की संख्या को दाखिल कर लिया जाता है, स्थिति अनुसार यह संख्या घट-बढ़ सकती है। अब यदि एक-एक बच्चे पर ध्यान देंगे, तो फिर वही बात, सिलेबस कब पूरा होगा? कमजोर बच्चे डर के मारे शिक्षकों से कुछ पूछ ही नहीं पाते और परिणाम के रूप में स्कूलों की यह भीड़ कोचिंग संस्थानों में बढ़ती चली जाती है। हालात ये हैं कि अब तो कोचिंग संस्थान भी स्कूल जैसे ही प्रतीत होने लगे हैं। इससे एक स्तर और आगे बढ़ते हुए इन संस्थानों में 100-100 बच्चों की बैच को एक साथ पढ़ाया जाता है। एक तरफ कुआँ और एक तरफ खाई के बीच डोलता हुआ बच्चा आखिर जाए, तो जाए कहाँ?

शिक्षा के मायने तब ही पूरे हो सकते हैं, जब कोई विषय विशेष जिस भाव और अर्थ के साथ पढ़ाया जाए, वह उसी भाव और अर्थ के साथ समझा और सीखा भी जाए। शिक्षा स्वत: तो है नहीं, जो सिर्फ पढ़ा देने भर मात्र से बच्चों को समझ आ जाए। यहाँ बड़ा प्रश्न उठता है कि इस कमी का आकलन किसका हो? बच्चे का, शिक्षक का या फिर पूरी की पूरी शिक्षा प्रणाली का?

भारत देश में प्रारंभिक शिक्षा को संविधान के तहत मूलभूत अधिकार (शिक्षा का अधिकार, 2009) घोषित किया गया है, यानि सभी 6 से लेकर 14 वर्ष के बच्चों को बिना किसी भेदभाव के अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) और एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) यह स्पष्ट करते हैं कि बच्चे अपनी उम्र और कक्षा के अनुसार सीख ही नहीं पाते हैं। प्राथमिक स्कूलों में 10 करोड़ से भी अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। बेहद चौंकाने वाले आँकड़ें उपरोक्त रिपोर्ट से सामने आए हैं कि इनमें से लगभग 55 फीसद बच्चे दस साल की उम्र में अपनी भाषा के अक्षर, शब्द या वाक्य ठीक से पढ़ भी नहीं पाते, लिखना तो बहुत दूर की बात है। वर्ल्ड बैंक में इसे लर्निंग पॉवर्टी कहा जाता है और यह बेहद दुर्भाग्य की बात है कि हमारा देश भी इसी श्रेणी में आता है। मैं फिर वही सवाल करता हूँ कि इसका जिम्मेदार कौन है, बच्चे, शिक्षक या शिक्षा प्रणाली?

फिर एक सवाल यह भी है कि क्या सभी बच्चे समान रूप से सीख पा रहे हैं? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, तीसरी कक्षा की पढ़ाई पूरी होने तक सभी बच्चों को पढ़ने, लिखने और सामान्य गणित के कौशल आ जाने चाहिए। एक तथ्य यह भी है कि इंसान के मस्तिष्क का 85-90त्न विकास इसी उम्र (0-5) में होता है। और इस उम्र में जिन बच्चों को उचित शिक्षा नहीं मिलती, उनकी बुनियाद पूरे जीवन ही कमजोर बनी रहती है। इस उम्र में, उन्हें जो भी सिखाया जाता है, उन्हें कंठस्थ हो जाता है।

हमारे देश की शिक्षा प्रणाली बच्चों को शिक्षा के अवसर दे तो रही है, लेकिन 50 फीसद से भी अधिक बच्चों को कॉन्सेप्ट्स ही क्लियर नहीं हैं। ऐसे में, शिक्षकों को चाहिए कि वे एक-एक बच्चे का आकलन करें और उन कमियों को दूर करें, जो लगातार उनमें दिखाई दे रही है। बच्चों के उन कठिन बिंदुओं पर ध्यान दें, जो उन्हें समझ नहीं आते। अपने पढ़ाने के तरीके में बदलाव लाएँ। डाँटने-मारने से बचें, बच्चों से घुल-मिलकर रहें, ताकि कोई भी बिंदु समझ न आने पर वे बिना किसी डर या झिझक से खुलकर आपसे पूछ सकें। शासन को भी चाहिए कि ऐसे सिलेबस बनाएँ, जो बच्चों को आसानी से समझ आ सकें और उसे पढ़ने में उनकी रूचि बनी रहे, न कि उसे देख उनका मन पढ़ाई से ही कतराने लगे।

भारत की शिक्षा प्रणाली विराट, विस्तृत और विविध है। बतौर उदाहरण बात करें, तो बिहार की सरकारी प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत 63 हज़ार स्कूल आते हैं, जिनमें लगभग 1 करोड़ बच्चे और 2.5 लाख शिक्षक शामिल हैं। गौर करने वाली बात है कि यह संख्या कई पश्चिमी देशों की जनसंख्या से भी अधिक है। यह सिर्फ एक राज्य की बात है, पूरे देश की बात करेंगे, तो आँकड़ें खुद ही आपस में उलझ जाएँगे। क्या इतनी व्यापक शिक्षा प्रणाली में सुधार लाना वास्तव में उतना सरल है, जितना प्रतीत होता है? दो से तीन दशकों के प्रयासों का परिणाम है कि अधिकांश बच्चों का स्कूलों में नामांकन है, लेकिन इसके बावजूद सिर्फ 55-60 प्रतिशत बच्चे ही नियमित रूप से स्कूल जाते हैं।

शिक्षा प्रणाली में जरुरी बदलाव और सुधार यदि अब भी नहीं किए गए, तो हमारा देश आगे बढ़ने के बजाए कई वर्ष पीछे जाने को मजबूर हो जाएगा। यह पूरे देश के लिए चिन्ता का विषय है कि आज़ादी के 75 वर्षों के बाद भी हम 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' के लक्ष्य की ओर थोड़ा भी आगे नहीं बढ़े हैं और बात कर रहे हैं वर्ष 2030 में इसे हासिल करने की। सवाल है कि जो अब तक हासिल नहीं हो सका है, क्या वह आने वाले महज़ कुछ सालों में हासिल हो जाएगा? और हो भी जाएगा, तो कैसे?

(ये लेखक के विचार हैं)

खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काफी जद्दोजहद करने की भी बात उठाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मांतरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकरीबन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। हालांकि भारत इसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताता है। सिखों, ईसाइयों, यहूदियों, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट। इसमें 2023 में गैर- सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का जिक्र भी किया गया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़-फोड़ और धर्मांतरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है। चीन, ईरान, रूस, सऊदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नाम रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है।

आगामी पांच वर्षों में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण हो सकता है दुगना

प्रहलाद सबनानी

पूरे विश्व में विभिन्न देशों के शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने के सम्बंध में विदेशी निवेशक संस्थानों को सलाह देने वाले एक बड़े संस्थान मोर्गन स्टैनली ने हाल ही में अनुमान लगाया है कि बहुत सम्भव है कि भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे आने वाले 5 वर्षों में दुगना हो जाए।

आज खुदरा निवेशक, देशी संस्थागत निवेशक, म्यूचूअल फंड, आदि द्वारा भारतीय शेयर बाजार में औसतन लगभग 1500 करोड़ रुपए के शेयरों की रोजाना खरीद हो रही है अर्थात प्रतिदिन 1500 करोड़ रुपए भारतीय शेयर बाजार में डाले जा रहे हैं, जिसके चलते ही विदेशी निवेशक संस्थानों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में शेयर बेचे जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार पर कुछ बहुत बड़ा असर होता दिखाई नहीं दे रहा है अर्थात अब भारतीय निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार को अपने दम पर सम्हाल लिया है। अब, जब भारत में कई कम्पनियां अपनी विस्तार योजनाओं को लागू करने जा रही हैं अत: इन कम्पनियों के द्वारा नए शेयर, बाजार में जारी किए जाएंगे, जिन्हें खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशक भी अब से लगभग 6 माह बाद भारत में अपना निवेश वापिस लाएंगे।

वर्ष 1993 से वर्ष 2013 तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार खरीद कर रहे थे और देशी संस्थागत निवेशक लगातार बेच रहे थे। वर्ष 2014 के बाद से यह सब बदलने लगा क्योंकि 2015 में पहली बार केंद्र सरकार ने प्रॉविडेंट फंड को शेयर बाजार में निवेश की अनुमति दी थी। इसी प्रकार की अनुमति 401च योजना के अंतर्गत अमेरिका ने अपने प्रॉविडेंट फंड संस्थानों को वर्ष 1980 में दी थी। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में उच्छाल देखने को मिला था। अमेरिका में आज संस्थागत निवेशकों का लगभग 40 प्रतिशत भाग शेयर बाजार में निवेश रहता है जबकि भारत में यह अभी भी बहुत कम अर्थात लगभग 8 प्रतिशत ही है, इस प्रकार भारत को अभी तो बहुत आगे जाना है।

भारत में पिछले वर्ष घरेलू बचत 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास थी, उसमें से केवल 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर ही शेयर बाजार में निवेश किया गया था, को कुल घरेलू बचत का 10 प्रतिशत से भी कम है। 5,000 से 6,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सोने में निवेश होता है एवं लगभग 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रॉपर्टी में निवेश होता है। इस प्रकार, भारत में शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने की बहुत अधिक गुंजाइश मौजूद है। साथ ही अब वैश्विक स्तर पर भी यह सिद्ध हो चुका है कि सामान्यत: शेयर बाजार में सबसे अधिक रिटर्न मिलता है, अत: भारत के शेयर बाजार में निवेश आगे आने वाले समय में तेजी से बढ़ने वाला है। यदि भारत में कुल बचत का 10 प्रतिशत से आगे बढ़कर 15 प्रतिशत निवेश शेयर बाजार में होने लगे तो केवल देशी निवेशकों का निवेश ही बढ़कर 7,500 से 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता (मैक्रो स्टेबिलिटी) पर बहुत ध्यान दिया है। इससे मुद्रा स्फीति की दर में होने वाला उतार चढ़ाव नियंत्रण में रहा है और अब यह सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है। 70-75 वर्षों में ऐसी स्थिरता देखी नहीं गई है। इसके कारण शेयर बाजार में, रुपए की बाजार कीमत में एवं बांड मार्केट आदि में सब जगह उतार चढ़ाव थम गया है और इन सभी क्षेत्रों में स्थिरता आ गई है। पिछले 10 वर्षों में भारत में बहुत अधिक आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए हैं। अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्थिरता के आने से अब हम सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर का सही तरीके से अनुमान लगा सकते हैं, जिसके चलते हमारी आय और व्यय के अनुमान भी लगभग सही स्तर पर हो पा रहे हैं। इससे, विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है और विदेशी निवेशक भी भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

भारत के नागरिकों की जेब में सीधे पैसे डालने के बजाय सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने में सरकार ने नागरिकों की भरपूर मदद की है, जैसे 3 करोड़ से अधिक मकान बनाकर गरीब वर्ग को उपलब्ध कराए गए हैं, ग्रामीण इलाकों सहित घरों में पानी उपलब्ध कराया गया है, 95 प्रतिशत से अधिक गावों में बिजली उपलब्ध कराई गई है, लगभग सभी घरों में गैस उपलब्ध कराई गई है, सड़क मार्ग विकसित किए गए हैं, गांवों में स्वास्थ्य केंद्र खोले गए, आदि। इससे नागरिकों के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और वे कम बीमार पड़ने लगे हैं, उनके स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्चे कम हुए हैं और उनकी बचत बढ़ी है। कुल मिलाकर यह साइकल बहुत अच्छे तरीके से अपना काम करता दिखाई दे रहा है। सामाजिक आधारभूत संरचना खड़ी करने का कार्य अभी भी जारी है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इस सबका यह परिणाम भी हुआ है कि देश में पिछले 10 वर्षों में गरीबी आधी रह गई है और इसे शून्य पर लाने के लिए कार्य जारी है।

भारत में उत्पादों के निर्माण में आधारभूत संरचना से सबंधित लागत बहुत अधिक है। इस पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14 प्रतिशत भाग खर्च हो जाता है, इससे उत्पादों की लागत तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। हालांकि भारत के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बहुत काम हुआ है। नए नए रोड बने हैं, रेल्वे का विकास हुआ है (रेल्वे का लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है), पोर्ट का विकास हो रहा है, नए एयर पोर्ट का निर्माण हुआ है, परंतु अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। वर्ष 2015 ने भारत में मालगाड़ियां औसतन लगभग 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलती थीं। अब वह औसतन लगभग 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं और आगे आने वाले 5 वर्षों में यह और आगे बढ़कर औसतन लगभग 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगेगी। इससे सबसे बड़ा लाभ उद्योग जगत को हुआ है, क्योंकि अब उन्हें कच्चे माल का स्टॉक कम मात्रा में रखना पड़ता है और इससे अंतत: उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की लागत कम हुई है।

पिछले कई वर्षों से विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी लगातार कम होती रही थे अथवा स्थिर हो गई थी। परंतु, अब यह स्थिति भी बदलती जा रही है और आने वाले 5 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ने जा रही है। इसके परिणाम कई क्षेत्रों जैसे सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल्वे, फार्मा, औटोमोबाइल, ड्रोन निर्माण, सेमी कंडक्टर, फूड प्रासेसिंग, एयरो स्पेस, आदि में दिखाई भी देने लगे हैं।

भारत शेयर बाजार पूंजीकरण की दृष्टि से विश्व में आज अमेरिका, चीन, जापान, हांगकांग के बाद 5वें स्थान पर है। तीसरे स्थान पर शीघ्र ही आ सकता है। आगामी 10 वर्षों में बहुत सम्भव है कि भारत दूसरे स्थान पर भी आ जाए क्योंकि चीन और जापान के आर्थिक क्षेत्र में जिस प्रकार की समस्याएं दिखाई देने लगी हैं, इससे अमेरिका के बाद भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ सकता है। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से विश्व में भारत तीसरे स्थान पर ही आ पाएगा। वर्तमान में भारत के शेयर बाजार का पूंजीकरण लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जबकि भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही हो पाया है।

आगे आने वाले लगभग 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ नागरिक गरीबी से निकलकर मध्यम वर्गीय परिवार बन सकते हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 45 करोड़ हो जाएगी। जबकि हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 50 लाख के आस पास ही है। इससे नागरिकों की खरीद क्षमता बढ़ेगी और उत्पादों की खपत भी बढ़ेगी। सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होने से गरीबी कम होती है। परंतु, महंगाई एवं विकास दर में संतुलन होना भी आवश्यक है। यदि मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है तो यह गरीब वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित करती है अत: विकास दर को कम रखने का प्रयास किया जाता है ताकि महंगाई की दर को कम किया जा सके। इसी नियम को विश्व के कई देश लागू कर रहे हैं इसीलिए वैश्विक स्तर पर विकास दर भी कम हो रही है। परंतु भारत में महंगाई की दर को नियंत्रण में रखने में सफलता मिली है इसीलिए भारत की विकास दर भी 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। हालांकि यदि महंगाई को यदि और अधिक नियंत्रण में (लगभग 3 प्रतिशत) लाया जा सके तो भारत की आर्थिक विकास दर 8 से 9 प्रतिशत तक जा सकती है। भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में किसी प्रकार की जोखिम दिखाई नहीं दे रही है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए, जोखिम केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में होने वाली समस्याओं के चलते ही हो सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मंगल समागम का अमंगल हो जाना

ओपीएस मलिक,
सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी

> **हाथरस की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आजकल धार्मिक समागमों में अक्सर दुर्व्यवस्था पैदा हो जाती है। बीते कुछ वर्षों में धार्मिक आयोजनों में मची भगदड़ इसकी गवाह है। यहां तक कि सड़क हादसों के शिकार लोगों में भी एक बड़ी संख्या तीर्थयात्रियों की होती है। लिहाजा, इन घटनाओं से जुड़े तमाम आयामों पर हमें गौर करना होगा और समय रहते उचित कदम भी उठाने होंगे।**

हाथरस में सत्संग के लिए क्या इंतजाम किए गए थे और क्या नहीं, इस पर अभी बहस होती रहेगी, लेकिन पहली नजर में तो यही लगता है कि आयोजन-स्थल पर प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए थे। किसी भी बड़े आयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और आयोजक, दोनों की होती है। हालांकि, आयोजकों का इंतजाम उतना प्रभावी नहीं हो सकता, जितना जिला प्रशासन का होता है। आयोजकों के सेवादार भी एक हद के बाद समस्या बन जाते हैं। मगर जिला प्रशासन आमतौर पर तभी सक्रिय होता है, जब उसके पास ऐसे किसी आयोजन की पूर्व-सूचना पहुंचती है। यह खबर अमूमन आयोजक ही देता है कि वह एक तय तिथि को कार्यक्रम करने जा रहा है। इसमें वह श्रद्धालुओं के पहुंचने की अनुमानित संख्या भी बताता है। इसके बाद जिला प्रशासन की यह जिम्मेदारी होती है कि वह आयोजन-स्थल का मुआयना करके कार्यक्रम पर फैसला ले। वह चाहे, तो पुलिस ऐक्ट के तहत ऐसे आयोजनों को नियमित कर सकता है, अनुमति देने से इनकार कर सकता है या शर्तें तय कर सकता है। मगर मुश्किल यह है कि तमाम धार्मिक आयोजनों में अब तरह-तरह की व्यावसायिक गतिविधियां भी होने लगी हैं। इनमें जितने भक्त आते हैं, उतना ही चढ़ावा चढ़ता है, दान मिलता है व धन का हस्तांतरण होता है। इन सबसे आयोजनों में व्यवस्था के तार-तार होने का डर बना रहता है।

हालांकि, आयोजकों के सिर पर जिम्मेदारी डालकर प्रशासन अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं कर सकता। अगर किसी आयोजन के लिए उससे अनुमति नहीं भी ली गई होती है और उसमें हजारों-लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जाती है, तो जिला प्रशासन अपने तईं सरकारी अमले का उपयोग करने को स्वतंत्र होता है। यानी, आयोजक अनुमति ले अथवा नहीं, दोनों ही परिस्थितियों में जिम्मेदारी जिला प्रशासन के कंधों पर ही होती है। लिहाजा, उसे स्वत: सुरक्षा इंतजाम करने पड़ते हैं या बंदोबस्त न कर पाने की सूरत में कार्यक्रम रद्द कराने होते हैं। उसको कई तरह की प्रशासनिक ताकत इसीलिए मिली हुई है।

हालिया दिनों में आयोजकों में यह सोच घर कर रही है कि धार्मिक जलसों के लिए अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। अगर आज्ञा ले भी ली, तो प्रशासन द्वारा लगाई गई शर्तों को मानने का कोई औचित्य नहीं। यह गलत प्रवृत्ति है। इसी के कारण देश भर में कई बाबा प्रकट हो गए हैं। ये अक्सर बरसात के दौरान चौमासा में सामने आते हैं। इनका इलाका भी बंटा हुआ होता है। ये स्वयंभू बाबा किसी को कुछ नहीं मानते और भीड़ का इस्तेमाल अपनी ताकत दिखाने के लिए करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों पर पर्याप्त सख्ती आवश्यक है। मगर धार्मिक आयोजनों को लेकर जिला प्रशासन में एक तरह का खौफ भी बना रहता है। यह स्थिति तब है, जब जिले पहले की तुलना में छोटे कर दिए गए हैं। जाहिर है, उसका यह डर मुनासिब नहीं है।

ऐसी स्थिति से पार पाने के लिए जरूरी है कि नियमों का हरसंभव पालन किया जाए। हर क्षेत्र के हिसाब से एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, यानी एसओपी) बनी हुई है, जिसमें बताया गया है कि जब भीड़ इकट्ठी हो जाए, तो उसका प्रबंधन कैसे किया जाना चाहिए? किस तरह के कार्यक्रमों को अनुमति देनी है और किस कदर शर्तें मनवानी है। इस प्रक्रिया पर सख्ती से अमल आवश्यक है।

भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं आयोजन के समापन के वक्त होती हैं। फरवरी, 2013 में प्रयाग में कुंभ से लौटती भीड़ के कारण रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ हो या हाथरस की ताजा घटना, समस्या आखिरी लम्हों में ही पैदा हुई। इसकी दो वजहें मानी जाती हैं। पहली, आखिरी वक्त में पुलिसकर्मी सुस्त पड़ जाते हैं और कहीं-कहीं तो वापस भी लौट जाते हैं। इसके कारण शरारती तत्वों को बखेड़ा करने का मौका मिल जाता है। और दूसरी, आयोजनों में शामिल होने के लिए श्रद्धालु बेशक टुकड़े-टुकड़े में आते हैं, पर आयोजन स्थल से निकलते समय एक झुंड में बाहर आते हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति होती है। इसे संभालने का दायित्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर होता है। कुंभ के दौरान तो प्रयागराज के जोनल आईजी को आसपास के 10-12 जिलों के यातायात और भीड़ प्रबंधन का प्रमुख बनाया जाता है, ताकि श्रद्धालुओं के आने-जाने का उचित प्रबंधन हो सके।

यहां एक और मसला है, जो मैंने अपनी पुलिस सेवा के दौरान वर्ष 2001 के कुंभ में देखा था। यह है लोगों की मानसिकता। मैं और तत्कालीन एसएसपी लोगों से यह कहते-कहते थक गए कि वे स्नान कर लें, ताकि भीड़ कुछ कम हो, लेकिन 'अमृत-बूंद के गिरने' के नजदीक ही नहाने पर लोग अड़े रहते थे। कोई इससे पहले नहाने को तैयार नहीं होता था, जिसके कारण भीड़ का दबाव बढ़ जाता था। चूंकि अगले वर्ष प्रयागराज में फिर से कुंभ का आयोजन हो रहा है, इसलिए स्थानीय प्रशासन के लिए यह सबक जैसा है कि भीड़ प्रबंधन के लिए उसे दो बड़ी चुनौतियों से पार पाना होगा। एक, लोगों की मुहुर्त देख नहाने की जिद और दूसरा, संगम स्थल के पास ही स्नान की लालसा। हर आदमी एक खास समय में यह काम करना चाहेगा, जिस कारण अराजकता हो सकती है। इसको संभालना आसान काम नहीं होगा।

जाहिर है, कुछ बातों का यदि ख्याल रखा जाए, तो ऐसे आयोजनों में होने वाले दुखद हादसों पर हम काफी हद तक लगाम लगा सकते हैं। सबसे पहले तो पुख्ता बंदोबस्त आवश्यक है, फिर एसओपी का पालन सुनिश्चित करना होगा। इसके बाद नियमों व शर्तों के पालन में सख्ती दिखानी होगी और फिर, बिना डरे हुए भीड़ का उचित प्रबंधन करना होगा। चूंकि लोग ऐसे आयोजनों से भावनात्मक रूप से भी जुड़े होते हैं, इसलिए उनकी मानसिकता को समझते हुए स्थानीय प्रशासन को उचित कदम उठाने होंगे। विशेषकर आखिरी लम्हों में खास सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि अप्रत्याशित हालात बनने की आशंका अंत में ही सबसे अधिक होती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
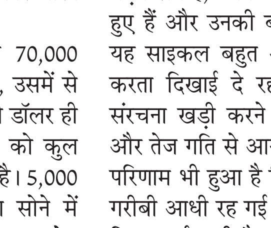
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

राज्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

मुख्यमंत्री साय ने लगाया दहीमन का पौधा

राज्य में वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए 3.95 करोड़ पौधों का हो रहा रोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 70 लाख पौधों का रोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में पर्यावरण संरक्षण एवं हरीतिमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर अपने निवास कार्यालय परिसर रायपुर में दहीमन का पौधा लगाने के साथ ही प्रदेशवासियों से अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाए जाने का आव्हान किया। इस अवसर पर मंत्री लखन लाल देवांगन, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्कूली बच्चे मौजूद थे। दहीमन का पौधा सरगुजा अंचल में बहुतायत रूप से मिलता है। औषधीय गुणों से भरपूर और यह कई बीमारियों के इलाज में यह उपयोगी है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने की अपील देशवासियों से की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ में 11 जुलाई को वन महोत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन होगा, जिसके अंतर्गत 70 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

राज्य में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में लोग अपनी मां के नाम पौधा लगाएंगे। पौध रोपण कार्यक्रम को सफल बनाने एवं पौध रोपण क्षेत्र के संरक्षण के लिए इसे जनप्रतिनिधियों द्वारा गोद भी लिया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लोग अपनी श्रद्धा और आस्था के अनुरूप देवी-देवताओं के नाम पर भी पौध रोपण कर सकेंगे। वन क्षेत्रों के अलावा सामान्य क्षेत्रों में सड़कों के किनारे भी पौध रोपण किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य में वन एवं पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 3 करोड़ 95 लाख 85 हजार से अधिक पौधों के रोपण किया जा रहा है, जिसमें से 2 करोड़ 82 लाख 35 हजार पौधों का रोपण किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत हो रहा है। राज्य में अब तक सवा करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत पौधों का रोपण पूरा करने का लक्ष्य है।

राजस्व प्रकरणों को रोकने वाले अधिकारियों पर होगी कार्यवाही-राजस्व मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा है कि राजस्व पखवाड़ा के दौरान राजस्व प्रकरणों को समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। अविवादित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। राजस्व के बहुत से कामों के लिए समय-सीमा निर्धारित है, इसका अनिवार्य रूप से पालन किया जाए।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग को काम मे गति लानी होगी, लोगो को भटकना न पड़े, बेवजह राजस्व प्रकरणों को रोकने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। श्री वर्मा आज धमतरी के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि जनता की सेवा के लिए हम यहां हैं। किसानों को नकली खाद, बीज, दवाई इत्यादि के बिक्री पर संबंधित संस्थानों और व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। अधिकारी सुनिश्चित करें कि किसान सम्मान निधि की राशि पात्र किसान को मिले। इसी तरह जिले में अवैध उत्खनन, शराब, सटोरिया इत्यादि पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने जिले में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए बजट हेतु प्रशासकीय स्वीकृति के लिए प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में कुरूद विधायक अजय चन्द्राकर, धमतरी विधायक ओंकार साहू, सिहावा विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम, कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने जिले में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कहा कि बारिश के मौसम को देखते हुए आपदा प्रबंधन के कार्यों, खाद्यान्न के भंडारण, जल शुद्धिकरण, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाईयों की उपलब्धता आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जिले के सभी नागरिकों को एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधा लगाने के लिए प्रेरित करने कहा।

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में युग प्रवर्तक और युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन किया। श्री साय ने कहा है कि स्वामी जी ने भारतीय दर्शन और आध्यात्म से पूरी दुनिया का परिचय कराया और मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाया। छत्तीसगढ़ ने स्वामी जी के उदार, व्यवहारिक और सुधारवादी सिद्धांतों को अपनाया है। स्वामी जी के बचपन का कुछ समय रायपुर में बीता, यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। आज छत्तीसगढ़ स्वामी जी के दिखाए मार्ग और सिद्धांतों को लेकर आगे बढ़ रहा है।

गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी।

भारत-सोवियत मित्रता का प्रतीक मैत्री स्तंभ चौराहे का उन्नयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मेन गेट के सामने चैराहे, जिसमें भारत और सोवियत संघ की मित्रता और सहयोग के स्मारक-स्तंभ स्थापित है का सौंदर्यीकरण एवं चैराहे का उन्नयन बीएसपी प्रबंधन द्वारा किया जा रहा है। इस चैराहे के घेरे को सभी तरफसे 1.5 मीटर घटाई जायेगी, इससे आवागमन सुगम होने के साथ-साथ दुर्घटना की आशंकाएं भी न्यूनतम हो जायेगी।

इस स्मारक-स्तंभ के चारों तरफ चैराहे की चैड़ाई को कुल 3 मीटर कम की जायेगी। संयंत्र के मुख्य गेट के सामने होने के कारण इसका अनुरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाना प्रस्तावित था, जिसका कार्य 04 जुलाई 2024 से प्रारंभ हो चुका है। इस स्मारक-स्तंभ के चारों तरफ लगे लोहे की रेलिंग को हटाया जायेगा और फूलों की लगी क्यारियों का भी सौंदर्यीकरण किया जायेगा। इनकी सुंदरता बढ़ाने के लिए आवश्यक रंग-रोगन किया जायेगा। इस कायाकल्प के अंतर्गत सड़क सुरक्षा हेतु चैराहे के आसपास की डैमेज हो चुकी सड़कों की मरम्मत और रिकारपेटिंग के कार्य किया जायेगा। इसके चारों ओर फेन्सिंग के अंदर आकर्षक पौधे रोपे जायेंगे एवं फूलों की क्यारियों को भी सजाया जायेगा। इस कायाकल्प से इसे और भी आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र, इस्पात नगरी के सौंदर्यीकरण के लिए इन दिनों कई परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। इन परियोजनाओं के तहत, सड़कों की मरम्मत एवं चैकों के जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र शहर के सौंदर्यीकरण और अपनी टाउनशिप को साफ, स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए निरन्तर प्रयास करता रहता है।

वैसे तो भिलाई स्वयं अपने आप में भारत-सोवियत संघ की मित्रता का प्रतीक है लेकिन यहां कई ऐसे स्मारक हैं, जिन्हें दोनों देशों की दोस्ती की यादगार के तौर पर बनाया गया था। ऐसे स्मारकों में सबसे पहले और एकमात्र प्रतीक स्तंभ (ओबेलिस्क) की आधारशिला 26 फरवरी 1961 को भिलाई दौरे पर आए सोवियत संघ मंत्रिपरिषद के उपाध्यक्ष अलेक्सेई निकोलाई कोसिजिन ने रखी थी। कोसिजिन ने भिलाई इस्पात संयंत्र के मेनगेट के सामने, भारत-रूस मैत्री के प्रतीक स्तंभ (ओबेलिस्क) की आधारशिला रखी थी।यह स्मारक साल भर में बन कर तैयार हुआ और इसका लोकार्पण 23 फरवरी 1962 को भारत में सोवियत संघ के राजदूत इवान अलेक्सांद्रोविच बेनेडिक्टोव ने किया था। इस अवसर को रेखांकित करते हुए बेनेडिक्टोव ने भारत-सोवियत मैत्री के 10 साल पूर्ण होने के अवसर पर प्रकाशित, स्मारिका में अपने संदेश में कहा 'भारतीय और सोवियत संघ की जनता का जीवंत प्रतीक है भिलाई। मुझे भिलाई में भारत-रूस मैत्री के प्रतीक स्तंभ (ओबेलिस्क) का लोकार्पण करते हुए बेहद गर्व का अनुभव हुआ'। स्तंभ के एक तरफ सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री खुश्चेव की पंक्ति उद्धृत है 'भारत-रूस की मैत्री भिलाई के इस्पात की तरह मजबूत हो'। तो दूसरी तरफ तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पंक्ति उद्धृत है 'भिलाई भारत के भविष्य का शुभ सकून व प्रतीक है'।

यह स्मारक-स्तंभ रूस और भारत के बीच इस्पात उद्योग के निर्माण कार्य में आर्थिक और तकनीकी सहयोग का प्रतीक है।

केन्द्रीय लॉजिस्टिक हब और औद्योगिक परिवहन अधोसंरचना विकसित करने पर जोर

लोगों की आय बढ़ाने और एआई तथा आईटी सेवाओं में विस्तार पर किया गया मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एआई और आईटी सेवाओं में विस्तार, केन्द्रीय लॉजिस्टिक हब बनाने, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने कौशल सुधार जैसे विषयों पर विभिन्न विभाग के अधिकारियों ने गहन विचार-विमर्श किया। "अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विजन /2047" डॉक्यूमेंट तैयार करने वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास विषय पर गठित वर्किंग समिति की द्वितीय बैठक राज्य नीति आयोग अटल नगर नवा रायपुर के सभा कक्ष में आयोजित की गई।

वाणिज्य उद्योग और अधोसंरचना विकास से संबंधित लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामर्थ्य विषय पर विस्तार से चर्चा की गई तथा वर्किंग समिति के सदस्यों द्वारा सुझाव देकर उन विषयों को दस्तावेज में शामिल कराने की बात कही।

छत्तीसगढ़ विजन 2047 : वर्किंग ग्रुप के अधिकारियों की बैठक बैठक में प्राकृतिक संसाधनों का मूल्यवर्धन वैश्विक उत्पाद, स्थानीय एमएसएमई और ग्रामीण उद्योगों के सशक्तीकरण, हरित विनिर्माण में छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने, माइक्रो फाइनेंसिंग और रणनीतिक पीपीपी के साथ निवेश सुविधा बढ़ाने विस्तार से चर्चा की गई।

इसी प्रकार प्रौद्योगिकी में कौशल उन्नयन करने विश्व स्तरीय प्रशिक्षण की आवश्यकता, अति आधुनिक मजबूत लॉजिस्टिक हब बनाने, एकीकृत औद्योगिक परिवहन अधोसंरचना विकसित करने, केन्द्रीयकृत लॉजिस्टिक हब, वेयरहाउस और मिनी औद्योगिक पार्क बनाने, सतत् परिवहन समाधन करने, राज्य एवं जिला स्तर पर समर्पित तकनीकी ढांचा विकास निधि की व्यवस्था कराने, वेयर हाउस हब के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ड जैसे उद्योगों के दिग्गजों के साथ रणनीतिक पीपीपी विनेश को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

इसी तरह राज्य में एआई और आईटी सेवाओं में विस्तार करने, केपीओ, बीपीओ और बीपीएम सेवाओं के लिए वैश्विक केन्द्र बनाने, एआई उत्कृष्टता के लिए हब और सेवाएं बढ़ाने, तकनीकी पार्क स्थापित करने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आईटी कंपनियों को आकर्षित करने सरकार द्वारा निरंतर विपणन की ब्राडिंग के लिए प्रयास करने, केपीओ, बीपीओ और बीपीएम सेवा प्रदाताओं को आकर्षित करने के लिए रायपुर और नवा रायपुर में समर्पित हरित ज्ञान पार्क का विकास करने, छत्तीसगढ़ एआई उत्कृष्टता पार्क की स्थापना करने, उच्च ऊर्जा दक्षता और वैश्विक ऊर्जा के साथ रायपुर तथा नवा रायपुर में आधुनिक ग्रीन डेटा सेंटर पार्क विकसित करने, अग्रणी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषय पर दस्तावेज में शामिल करने पर चर्चा किया गया। राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव एवं सदस्य के. सुब्रमण्यम ने विभागों द्वारा बनाए गए लघु ,मध्यम एवं दीर्घकालीन विजन एवं रणनीतियों के निर्धारण हेतु अपना सुझाव दिए।

के सुब्रमण्यम ने जीडीपी, रोजगार, कृषि एवं संबंधित उद्योग, प्रति व्यक्ति आय ,सेवाएं, व्यय एवं निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक, प्रशिक्षित कार्मिक ,शासन और नीतियों की अनुकूलता, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिए कौशल सुधार जैसे विषयों पर अपने विचार दिए। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय को बढ़ावा देने के लिए उच्च उत्पादन वाले क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना महत्वपूर्ण है।

खास खबर

हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण के लिए 12 तक आवेदन पत्र आमंत्रित

दुर्ग। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक/युवतियों के लिए हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण योजना अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाना है। वर्ष 2024-25 के लिये हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में कैरियर बनाने की आकांक्षा रखने वाले प्रदेश के युवक/युवतियों से 12 जुलाई 2024 समय 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित है। आवेदन पत्र का प्रारूप, नियम एवं शर्तें विभाग की वेबसाईट जतपइंसण्बहण्हवअण्पद पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इन्द्रावती भवन नवा रायपुर में उपस्थित होकर जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग हेमंत सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार उक्त प्रशिक्षण अंतर्गत कुल 100 छात्र/छात्राओं को लाभान्वित किया जाएगा। बजट उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य परिवर्तनशील होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णकालिक होगा एवं प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण अवधि में अन्यत्र किसी नियमित पाठ्यक्रम अथवा नौकरी/व्यवसाय करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण का व्यय विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण आवासीय है। प्रशिक्षण में छात्रावास एवं मेस की सुविधा भी नि:शुल्क होगी। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षण देने वाली संस्था द्वारा जॉब प्लसमेंट की प्रक्रिया से प्रशिक्षण से संबंधित जॉब भी उपलब्ध करायी जाएगी।

कृषि आदान उर्वरक एवं बीज का भण्डारण एवं वितरण कार्य प्रगति पर

दुर्ग। जिले में कृषि विभाग द्वारा मौसम खरीफ 2024 में कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री तथा यथा-उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाई की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिले में इस वर्ष खरीफ2024 में बीज वितरण का 28696 क्विंटल लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसकी तुलना में अद्यतन निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों में 33259.21 क्विंटल बीज का भण्डारण किया गया है। भण्डारित बीज में से 32809.86 क्विंटल बीज का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। इसी प्रकार इस वर्ष खरीफ 2024 में उर्वरक वितरण का 62300 मि.टन लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी तुलना में अद्यतन निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों में 52317 मि.टन उर्वरक का भण्डारण किया गया है। जिसमें 39312 मि.टन उर्वरक वितरण कृषकों को किया जा चुका है।

जिले में अब तक 116 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 04 जुलाई तक 116 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 229 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 61.4 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 81.3 मिमी, तहसील धमधा में 63.8 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 95.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 165.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 04 जुलाई को तहसील दुर्ग में 8.4 मिमी, तहसील धमधा में 3.4 मिमी, तहसील अहिवारा में 15.2 मिमी, तहसील बोरी में 12.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 15.8 मिमी एवं तहसील पाटन में 15.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आयुक्त ने विभिन्न वार्डो की सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम जोन 3 के तहत शंकरनगर बीटीआई परिसर में सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय की सफाई व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी उमेश नामदेव, स्वच्छता निरीक्षक अब्दुल नफीस की उपस्थिति में किया। आयुक्त ने सभी सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था अच्छी बनाये रखने विशेष ध्यान देने के निर्देष जोन कमिश्नरों एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने जोन 3 के तहत शंकरनगर एक्सप्रेस वे के नीचे के स्थल का निरीक्षण कर वहां टीम लगवाकर सफाई करवाने के निर्देष जोन स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षक को दिये। उक्त स्थल में सीएसआर मद के अंतर्गत शीघ्र जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु सौंदर्यीकरण कार्य करवाया जाना प्रस्तावित किया गया है।

आयुक्त ने कचना रेल्वे क्रासिंग फाटक के पास नाली की सफाई का किया निरीक्षण

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम जोन 9 के क्षेत्र के तहत कचना में रेल्वे क्रासिंग फाटक के पास की सार्वजनिक नाली की सफाई व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण जोन 9 जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में किया।

आयुक्त ने कचना रेल्वे क्रासिंग फाटक के पास की नाली को तले तक साफ करवाकर मुहाना खोलकर प्लास्टिक अपशिष्ट नाली से सफाई करके बाहर निकलवाने के निदेश जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिये ताकि नाली में गंदे पानी का निकास सुगम बने। आयुक्त ने सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को नाले एवं नालियों की सफाई के दौरान अंदर से प्लास्टिक अपशिष्ट पूरी तरह निकलवाकर निकास प्रबंधन सुगम बनाने मॉनिटरिंग करके कार्य करने के निर्देश दिये ताकि मानसून के दौरान शहर में नाले, नालियां जाम न होने पाये एवं सुगम निकास प्रबंधन कायम रह सके। आयुक्त ने नागरिको के मध्य प्लास्टिक कचरा नाले, नालियों में नहीं डालने को लेकर जनजागरण अभियान चलाने के निर्देश दिये है।

समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को दी जिम्मेदारी

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शुरू, मुख्य सचिव ने अधिकारियों की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर वर्ष की भाति इस वर्ष गरिमापूर्वक मनाया जाएगा। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तमाम तैयारियों के संबंध में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड रायपुर में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। मुख्य सचिव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। जिसमें पुलिस, सशस्त्र बल और एनसीसी, छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा परेड के आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था की जाएगी। स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग इसका समन्वय करेगा। कार्यक्रम के दौरान यातायात पार्किंग ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था नगर निगम रायपुर द्वारा की जाएगी। जिला मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कलेक्टरों को आवश्यक मार्गदर्शी निर्देश जारी किए जाएंगे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग रेणुजी पिल्ले, अपर मुख्य सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व सुब्रत साहू, पुलिस विभाग के प्रमुख अधिकारी, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग पी अन्बलगन, सचिव कृषि श्रीमती शहला निगार, परिवहन विभाग के सचिव एस प्रकाश, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अंकित आनंद, सचिव कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा एस भारतीदासन, सचिव खेल एवं युवा कल्याण हिमशिखर गुप्ता सहित स्कूल शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जनसम्पर्क, गृह, आदिम जाति विकास तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य, संस्कृति सहित अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

सीएम ने माँ के सम्मान में रुद्राक्ष का पौधा रोपा

कहा एक पेड़ मां के नाम अभियानः जननी व जन्मभूमि के रिश्ते को देंगे नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अपनी जन्मभूमि बगिया में अपनी माताजी के सम्मान में पौधरोपण किया। उन्होंने शासकीय हाईस्कूल बगिया परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपा। उन्होंने कहा कि इस अभियान अंतर्गत लगे पौधे जननी और जन्मभूमि के रिश्ते को एक नई पहचान देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल होने यहां पहुंचे थे। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने भी रुद्राक्ष का पौधा लगाया। वहीं प्रदेश के वित्त मंत्री और जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने आंवले का पौधा लगाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मां के साथ रिश्ता अनमोल होता है। जिस प्रकार मां हमे जीवन देती है, हमारा पालन पोषण करती है, वैसे ही प्रकृति भी हमारे लिए जीवनदायिनी है। इसकी सुरक्षा और संवर्धन हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस मुहिम से हम सभी को जुड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान जरूर देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने सभी से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाने आग्रह किया। साथ ही सभी से पौधों का संरक्षण हेतु संकल्प लेने कहा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस मानसून में ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करें। अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव और शहरों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। इस अवसर पर रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, विधायक आरंग गुरु खुशवंत साहेब सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बच्चों की मोहक मुस्कान का जादू...

बच्चों की मोहक मुस्कान से प्रसन्नचित्त मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बच्चों को दुलार करते हुए, बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता से और अपने हुनर से सुंदर चीजें बनाई थीं। मुख्यमंत्री ने इन्हें अपने हाथों में लिया और बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगों ने इतना सुंदर कैसे बनाया। जशपुर के बच्चे डिजिटल इंडिया से भी जुड़े हैं उनके हाथ कंप्यूटर और लैपटाप के माउस पर हैं। इन पर अपने हुनर का उन्होंने कमाल भी मुख्यमंत्री को दिखाया। मुख्यमंत्री ने इन्हें प्रोत्साहित किया। साथ ही इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय भी मौजूद रहीं।

केन्द्रीय वित्त आयोग 11 से 13 जुलाई तक रहेंगे राज्य के दौरे पर

प्रवास के दौरान राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं और आर्थिक प्रगति सहित अनेक मुद्दों पर होगा विचार-विमर्श

रायपुर। केन्द्रीय वित्त आयोग 11 से 13 जुलाई तक राज्य के दौरे पर रहेगा। आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल राजधानी रायपुर पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्रीमण्डल के सदस्य, केंद्रीय वित्त आयोग के साथ राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं, अधोसंरचना विकास तथा आर्थिक प्रगति सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा।

बैठक में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा आयोग के समक्ष राज्य के आर्थिक, वित्तीय, अधोसंरचना विकास तथा राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं से संबंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण देंगे। प्रस्तुतीकरण में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ राज्य के गठन उपरांत से अद्यतन प्रगति की स्थिति से आयोग को अवगत कराया जाएगा तथा आने वाले वर्षों में राज्य की वित्तीय आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की जायेगी। इसके अतिरिक्त राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए विशिष्ट अनुदान संबंधी मांग पत्र भी आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

गौरतलब है कि 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग द्वारा वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए अनुशंसाएं केन्द्र सरकार को अक्टूबर 2025 तक रिपोर्ट के माध्यम से उपलब्ध करायी जाएगी। आयोग के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल के अंतर्गत अध्यक्ष श्री पनगढ़िया के साथ आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, मनोज कुमार पाण्डा, डॉ. सौम्य कांति घोष तथा आयोग के सचिव ऋत्विक रंजनम पाण्डेय, संयुक्त सचिव कमल कुमार मिश्रा, संयुक्त संचालक राघवेन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारीगण शामिल होंगे।

राज्यपाल से शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्राचार्यों ने भेंट की

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्राप्त करने वाले विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यो ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल ने इन सभी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए उनकी सराहना की। सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों में स्कॉलर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती नीता अवस्थी, वेंकटेश्वर सिग्नेचर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती सौम्या रघुवीर और वाइकन हायर सेकेंडरी स्कूल रायपुर की प्राचार्य श्रीमती रम्पी बरार शामिल हैं। इन्हें विशाखापटन के गीतम विश्वविद्यालय में आयोजित कॉन्फ्रेंस में एजुकेशन हीरो अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

पुरानी बस्ती को देवभूमि के रूप में विकसित किया जाए - कन्हैया

कलेक्टर रायपुर, नगर निगम कमिश्नर और स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में कलेक्टर रायपुर, नगर निगम कमिश्नर और स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक को ज्ञापन देकर रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी बस्ती को देवभूमि के रूप में विकसित करने की मांग की गई है। रायपुर की प्राचीन विरासत, मठ मंदिरों तालाबों का क्षेत्र पुराने रायपुर का वैभव पुरानी बस्ती ही है। प्राचीन काल से साधु संत पुरानी बस्ती क्षेत्र को छोटी अयोध्या के रूप में पुकारते रहे हैं।

अग्रवाल ने कहा कि पुरानी बस्ती क्षेत्र का योजनाबद्ध तरीके से विकास किए जाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के विकास के लिए रायपुर नगर निगम, स्मार्ट सिटी लिमिटेड रायपुर, लोक निर्माण विभाग, धर्मस्व विभाग, पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग के साथ मिलकर संयुक्त प्लानिंग किए जाने की आवश्यकता है। पूरे क्षेत्र की प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करते हुए देवभूमि के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा सकता है ,क्षेत्र को देवभूमि के रूप में विकसित करने से धार्मिक आस्था के सम्मान के साथ ही पर्यटन क्षेत्र के रूप में भी विकसित होगा। पुरानी बस्ती क्षेत्र के चारों ओर पौराणिक और धार्मिक महत्व को प्रदर्शित करते भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाने से क्षेत्र में आने वाले लोगों को देवभूमि का एहसास होगा।

उन्होंने कहा कि पुरानी बस्ती क्षेत्र को पुराना रायपुर माना जाता था। इस क्षेत्र में प्राचीनतम दूधाधारी मठ, जैतू साव मठ, नागरीदास मठ , बुढ़ेश्वर मंदिर, महामाया मंदिर ,शीतला माता मंदिर, बिरंची नारायण मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, नरसिंह मंदिर, हनुमान मंदिर, महादेव मंदिर ,दंतेश्वरी माता मंदिर, बावली वाले हनुमान जी का मंदिर, कंकाली मठ मंदिर सहित बड़ी संख्या में प्राचीन तालाब और मंदिर हैं। इसीलिए पुरानी बस्ती क्षेत्र को प्राचीन समय से छोटी अयोध्या के रूप में साधु संतों के बीच में जाना जाता है उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी आंदोलन का केंद्र पुरानी बस्ती क्षेत्र में रहा है जहां जैतू साव मठ में महात्मा गांधी का भी आगमन हुआ था।

ऐतिहासिक धार्मिक और पौराणिक महत्व के क्षेत्र को शीघ्रताशीघ्र देव भूमि के रूप में विकसित करने हेतु शासन प्रशासन के स्तर पर निर्णय लिया जाना चाहिए। ज्ञापन देने गए प्रतिनिधि मंडल में कन्हैया अग्रवाल,सुरेश बाफ्ना, राजेश केडिया, संतोष बाघमार,, मनोज पाल, पिंटू बैद ,शरद गुप्ता, मुकुंद कागदेलवार, राजेश त्रिवेदी शामिल थे।

संसार में हमारा कोई दुश्मन नहीं, राग-द्वेष, लालच और ईर्ष्या जैसे शत्रु हमारे अंदर ही हैः विरागमुनिजी

मुमुक्षु रत्न नीलेश भाई महेता 23 नवंबर को रायपुर के जैन दादाबाड़ी में लेंगे दीक्षा

रायपुर। भाठागांव स्थित वालफोर्ट सिटी में बुधवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनिजी से मुमुक्षु रत्न नीलेश भाई महेता ने मुनिश्री से दीक्षा मुहूर्त प्रदान करने का अनुरोध किया। जिसे स्वीकार करते हुए मुनिश्री ने रायपुर की पुण्य धरा पर मुमुक्षु नीलेश भाई महेता को इसी वर्ष के 23 नवंबर को दीक्षा प्रदान करने की शुभ करने के शुभ मुहूर्त की घोषणा की।

रायपुर के जैन दादाबाड़ी में मुमुक्षु नीलेश भाई महेता 23 नवंबर 2024 के दिन दीक्षा लेंगे, वे सांसारिक जीवन का त्याग करते हुए और वैराग्य जीवन में प्रवेश करेंगे। दीक्षा मुहूर्त प्रदान करने के पश्चात वॉलफोर्ट सिटी में संगीतमयी कार्यक्रम के साथ उनका वंदन किया गया। उनके परिजनों और दोस्तों के लिए यह पल बहुत ही भावुक रहा।

जिनवाणी की वर्षा के क्रम में दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनिजी ने बुधवार को भाठागांव के वालफोर्ट सिटी में प्रवचन किया। यहां बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि आज हम आध्यात्मिक विकास के लिए पुरूषार्थ नहीं कर पा रहे है। हमें आध्यात्म की ओर ले जाने वाला कल्याण मित्र नहीं मिल रहा है। वैसे भी कल्याण मित्र हमें मिलेगा कैसे, हम तो बाहर की दुनिया में सुख ढूंढ रहे है।

हमें वह अपने अंदर ढूंढना है और पाप रूपी कचरे को अपनी आत्मा से बाहर करना है। हम अपने शत्रु को बाहर खोज रहे है जबकि वह हमारे अंदर ही है। राग, द्वेष, काम, वासना, लालच, ईर्ष्या जैसे भावनाओं को हमने पाल रखा है, उसे ही ढूंढ कर हमें बाहर निकालना है। इस सांसारिक दुनिया में कोई हमारा शत्रु नहीं है, हमें केवल एक बार अपने अंदर झांकना है और अंदर के शत्रु को खत्म करना है फिर आप देखिए कि जीवन कैसे आनंद से भर जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि आज भाग्य को हमने पुण्य के भरोसे छोड़ दिया है, हम पुरूषार्थ नहीं कर पा रहे है। जबकि हमें अपने परिणामों में बदलाव लाना है। कुछ लोग केवल धर्म के भरोसे रहते है और बिल्कुल भी पुरूषार्थ नहीं करते। इतना भी पुरूषार्थ नहीं करना है कि काम करते-करते आपका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल बढ़ जाए, इतना टेंशन नहीं लेना है। आप अपने स्टाफ को ही देख लीजिए, कितने आनंदित रहते है।

दुकान में बैठे रहते है और यह सोचते है कि ग्राहक इतने आ जाए कि अपनी पगार निकल जाए और थोड़ा दुकान का खर्च ताकि अपने को भी टेंशन नहीं और न ही मालिक को टेंशन। जबकि आपको टेंशन रहता है कि ग्राहकों की संख्या कैसे बढ़ाई जाए, ऐसी क्या स्कीम लगाई जाए जो ग्राहक रातोंरात दोगुने हो जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि एंगल अलग-अलग है। वैसे ही आपको धर्म के प्रति रहना है और अपनी सोच को क्लियर रखना है।

खाद्य आयोग अध्यक्ष ने की योजनाओं की समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह बाबरा ने खाद्य आयोग कार्यालय में विगत दिवस खाद्य विभाग के कामकाज की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी पात्र हितग्राहियों को प्रत्येक माह नियमित रूप से राशन वितरण सुनिश्चित हो। यूनिवर्सल पीडीएस के तहत राशन कार्डधारी उपभोक्ताओं को ई-पास के माध्यम से पंसद की दुकानों में राशन वितरण करने संबंधी व्यवस्था को दुरूस्त करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

बाबरा ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन सामग्री वितरण में पारदर्शिता एवं जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पर्याप्त व्यवस्था की गई है। पीडीएस से संबंधित शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर एवं कॉल सेंटर का दूरभाष नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। विभाग के कॉल सेंटर का दूरभाष क्रमांक 1800-233-3663 एवं टोल-फ्री नंबर 1967 है। उन्होंने समीक्षा बैठक में फोर्टिफाईड चावल वितरण, वन नेशन वन राशन कार्ड योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम का क्रियान्वयन पहुंचविहिन उचित मूल्य दुकानों में अग्रिम राशन भण्डारण की व्यवस्था, ग्राम पंचायतों के उचित मूल्य के दुकानों का संचालन सहित खाद्यान्न वितरण से संबंधित विभिन्न विभागों में प्रचलित योजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर राजेन्द्र महिलांग, कुलदीप शर्मा, श्रीमती ज्योति कश्यप, सदस्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग, अपर संचालक, डीएस अभिषेक कुमार जायसवाल, आदिम जाति कल्याण विभाग, राजीव कुमार जायसवाल, खाद्य विभाग के अपर संचालक सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

कई उत्पादों का विकल्प हो सकता है फेस प्राइमर, जानिए इसके विभिन्न इस्तेमाल

फेस प्राइमर एक मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल मेकअप बेस के लिए किया जाता है। यह चेहरे पर किए गए मेकअप को लंबे समय तक ठीक रखने और त्वचा को हाइड्रेट करने में भी काफी मदद कर सकते हैं। हालांकि, मेकअप के अलावा यह कई अन्य उत्पादों का विकल्प बन सकता है। आइए जानते हैं कि फेस प्राइमर का इस्तेमाल किन-किन उत्पादों की जगह किया जा सकता है।

लिपबाम की तरह लगाएं

रूखेपन के कारण होंठ फटते हैं और अगर वक्त रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो कई बार होंठ इतने फट जाते हैं कि उनसे खून तक निकलने लगता है। इस समस्या से सुरक्षित रहने के लिए रोजाना होंठों पर लिपबाम लगाएं। अगर आपके पास लिपबाम नहीं है तो आप उसकी जगह फेस प्राइमर को बतौर लिपबाम इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके बाद होंठों पर लिपस्टिक लगाने पर काफी अच्छा लुक आता है।

शेविंग क्रीम के तौर पर करें इस्तेमाल

अगर आप शेविंग क्रीम खत्म होने पर साबुन का इस्तेमाल करने लगते हैं तो इससे त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साबुन की जगह फेस प्राइमर का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इससे त्वचा मॉइश्चराइज होती है। इसके अलावा इसकी मदद से ब्लेड से त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता। लाभ के लिए शेविंग करते समय फेस प्राइमर को अपनी दाढ़ी वाले हिस्से पर लगाएं, फिर रेजर से अनचाहे बालों को साफ करें।

आईशैडो को करता है गहरा

आप चाहें तो फेस प्राइमर का इस्तेमाल आईशैडो को गहरा करने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आईशैडो ब्रश पर थोड़ा फेस प्राइमर लगाएं, फिर इससे अपना पसंदीदा आईशैडो लें। ध्यान रखें कि ब्रश पर प्राइमर बहुत अधिक नहीं लगाना है क्योंकि इससे आईशैडो आंखों से नीचे गिरने लगेगा।इसके बाद आईशैडो को बंद आंखों पर लगाएं। यहां जानिए बाजार में मौजूद विभिन्न आईशैडो और उनके इस्तेमाल का तरीका।

सूखे फाउंडेशन को कर सकता है ठीक

अगर आपके पास लिक्विड फाउंडेशन है और उसका इस्तेमाल रोजाना करने से वह सूख गया है तो इसे ठीक करने के लिए भी आप फेस प्राइमर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए फाउंडेशन की बोतल में फेस प्राइमर की 8-10 बूंदें डालें और इसे अच्छे से हिलाएं।इस तरह से फाउंडेशन पहले जैसा हो जाएगा और काम भी ज्यादा अच्छे तरीके से करेगा। यहां जानिए हल्के शेड के फाउंडेशन को ठीक करने के प्रभावी तरीके।

मेकअप साफ करने के आ सकता है काम

सोने से पहले अगर मेकअप साफ न किया जाए तो इससे त्वचा का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो आप मेकअप हटाने के लिए फेस प्राइमर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेकअप वाले चेहरे पर थोड़ा-सा फेस प्राइमर लगाकर थोड़ी मसाज करें। इसके बाद अपने चेहरे को टिश्यू पेपर से पोंछ लें और अंत में अपना चेहरा पानी से धो लें।

निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन पर की बात

टीवी एक्ट्रेस निम्रत कौर अहलूवालिया ने डिप्रेशन से जूझने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि टीवी शो छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने और अकेलेपन ने उन्हें परेशान कर दिया था। अपनी यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा, डिप्रेशन से जूझना मेरे जीवन में एक बड़ी चुनौती रही है। छोटी सरदारनी की शूटिंग के दौरान लंबे समय तक काम करने के कारण मुझे बर्नआउट एंग्जायटी और डिप्रेशन का सामना करना पड़ा, साथ ही निजी जीवन में अकेलेपन का सामना करना पड़ा।

रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 का हिस्सा रही निम्रत ने कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में कभी भी डिप्रेशन का सामना नहीं किया।

उन्होंने कहा, मैंने डिप्रेशन के पता चलने के बाद 40 दिन का ब्रेक लेने के बावजूद काम करना जारी रखा और एंटीडिप्रेसेंट लेना शुरू कर दिया। एक साल बाद मैंने होम्योपैथी पर स्विच कर लिया। बिग बॉस सीजन 16 में प्रवेश करने से लगभग एक महीने पहले मैंने दवा लेना बंद कर दिया।

निम्रत ने कहा कि मेरे लिए काम ढूंढना कभी मुश्किल नहीं रहा। मुझे काम पाने के लिए कभी संघर्ष नहीं करना पड़ा। वास्तव में, मैं अपने टेलीविजन करियर के शिखर पर थी। भले ही दुनिया मुझे विजेता के रूप में न देखे, लेकिन मेरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत जीत मेरे शरीर में साल भर में आए बदलावों से मानसिक और शारीरिक रूप से उबरना था।

एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। 2018 में उन्हें फेमिना मिस मणिपुर का ताज पहनाया गया। इसके बाद वह बी प्राक के मस्तानी नामक एक संगीत वीडियो में नजर आईं, जिसने उन्हें शोबिज की दुनिया में कदम रखने में मदद की।

2019 में उन्होंने लोकप्रिय डेली सोप छोटी सरदारनी में काम करना शुरू किया, जिसने उन्हें फिर से सुर्खियों में लाने में मदद की।

अभिनेत्री को बाद में सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस 16 में देखा गया।

कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज, प्रियामणि संग खूनी खेल खेलेंगी सनी लियोनी

कोटेशन गैंग
एक हाइपरलिंक क्राइम ड्रामा है और इसे विवेक के कन्नन ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म ने ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसरशिप की औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। कोटेशन गैंग को सिनेमैटोग्राफर अरुण बाथमनबन ने कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में शूट किया है और ड्रम्स शिवमणि ने इसका संगीत दिया है और केजे वेंकटरमन ने इसका संपादन किया है।

फिल्म कोटेशन गैंग का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और यह सनी लियोनी की फिल्म से आपकी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा है. कोटेशन गैंग अपने दिलचस्प प्रमोशनल कंटेंट के कारण चर्चा में है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, सनी लियोन, प्रियमणि और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाल ही में इस फिल्म को ए सर्टिफिकेट के साथ सेंसर किया गया है। कोटेशन गैंग का ट्रेलर फिल्म के निर्माताओं द्वारा जारी किया गया। ट्रेलर में बहुत क्रूरता और खून-खराबा दिखाया गया है, जिसमें प्रियमणि को एक महिला कॉन्ट्रैक्ट किलर के रूप में दिखाया गया है, जो एक क्रूर गैंगस्टर और नारकोटिक्स की दुनिया में काम करती है। वह अपने व्यवसाय में अन्य पुरुषों के खिलाफ़ बढ़त हासिल करने की कोशिश करती है, और अन्य साहसी महिलाओं के साथ मिलकर लड़ती है।

फिल्म में अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। कोटेशन गैंग की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन पहले यह घोषणा की गई थी कि फिल्म जुलाई में बड़े पर्दे पर आएगी। फिल्म कन्नड़, हिंदी, मलयालम और तेलुगु में भी रिलीज होगी।

कब खानी चाहिए अंजीर? जानिए इससे मिलने वाले फायदे

अंजीर एक फल है, जिसके टुकड़ों को सुखाकर सूखा मेवा भी बनाया जाता है।यह न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए बेहद गुणकारी भी हो सकता है क्योंकि प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और अनसैचुरेटेड फैट का बेहतरीन स्रोत है।हालांकि, इसके सेवन का समय आपकी जीवनशैली और स्वास्थ्य लक्ष्यों पर निर्भर करता है।आइए अंजीर खाने के तरीके और इसके फायदे जानते हैं।

सुबह या शाम, किस समय अंजीर खाना है लाभदायक?

अगर आप सुबह के समय अंजीर खाते हैं तो यह भरपूर ऊर्जा प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने और भूख को नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है।अगर आप शाम को अंजीर का सेवन करते हैं तो यह मांसपेशियों को आराम देने और बेहतर नींद को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा यह देर रात स्नैकिंग की लालसा को रोकने में भी सहायक है।

हृदय को स्वस्थ रखने में है सहायक

सुबह और शाम के समय खाने से मिलने वाले फायदों से अलग अंजीर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है।इसका कारण है कि अंजीर में मौजूद अनसैचुरेटेड फैटी एसिड कोरोनरी रोग (हृदय संबंधित समस्या) को रोकने में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।इसके अलावा अनसैचुरेटेड फैटी एसिड शरीर में कोलेस्ट्रॉल के जमाव को रोक सकते हैं। इन्हें रोकने में सक्षम होने के कारण अंजीर का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में लाभकारी माना जाता है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में है प्रभावी

अंजीर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में भी कारगर है, जिस कारण यह मधुमेह से सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है।इसमें क्लोरोजेनिक एसिड नामक एक यौगिक होता है, जो ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म में सुधार करने में प्रभावी होता है।इसके अलावा इसमें फाइबर भी होता है, जो ब्लड शुगर के नियंत्रण में मददगार हो सकता है।हालांकि, जिन लोगों को पहले से मधुमेह है, वे डॉक्टरी सलाह के बाद ही अंजीर का सेवन करें।

गर्भवती महिलाओं के लिए भी है लाभकारी

गर्भवती महिलाओं के लिए भी अंजीर लाभदायक मानी जाती है क्योंकि गर्भावस्था के दौरान महिला को अधिक मात्रा में ऊर्जा और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जो अंजीर में प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं।यही नहीं इसमें पाया जाने वाला आयरन और नियासिन (विटामिन बी-3) गर्भावस्था के दौरान अत्यधिक जरूरी होता है। बता दें इनकी कमी से गर्भवती को एनीमिया का खतरा हो सकता है।

अंजीर खाने के तरीके

अंजीर के फल को आप सुबह या शाम के नाश्ते के तौर पर खा सकते हैं।वहीं सूखे अंजीर को सलाद, दलिये या दही में मिलाकर खा सकते हैं और स्मूदी में भी इसे मिला सकते हैं।आप चाहें तो अंजीर का इस्तेमाल केक या फिर मिठाइयां आदि बनाने के लिए भी कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आप पानी में सूखे अंजीर को भिगोकर रातभर के लिए छोड़ दें, फिर अगली सुबह अंजीर को पानी के साथ खाएं।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज

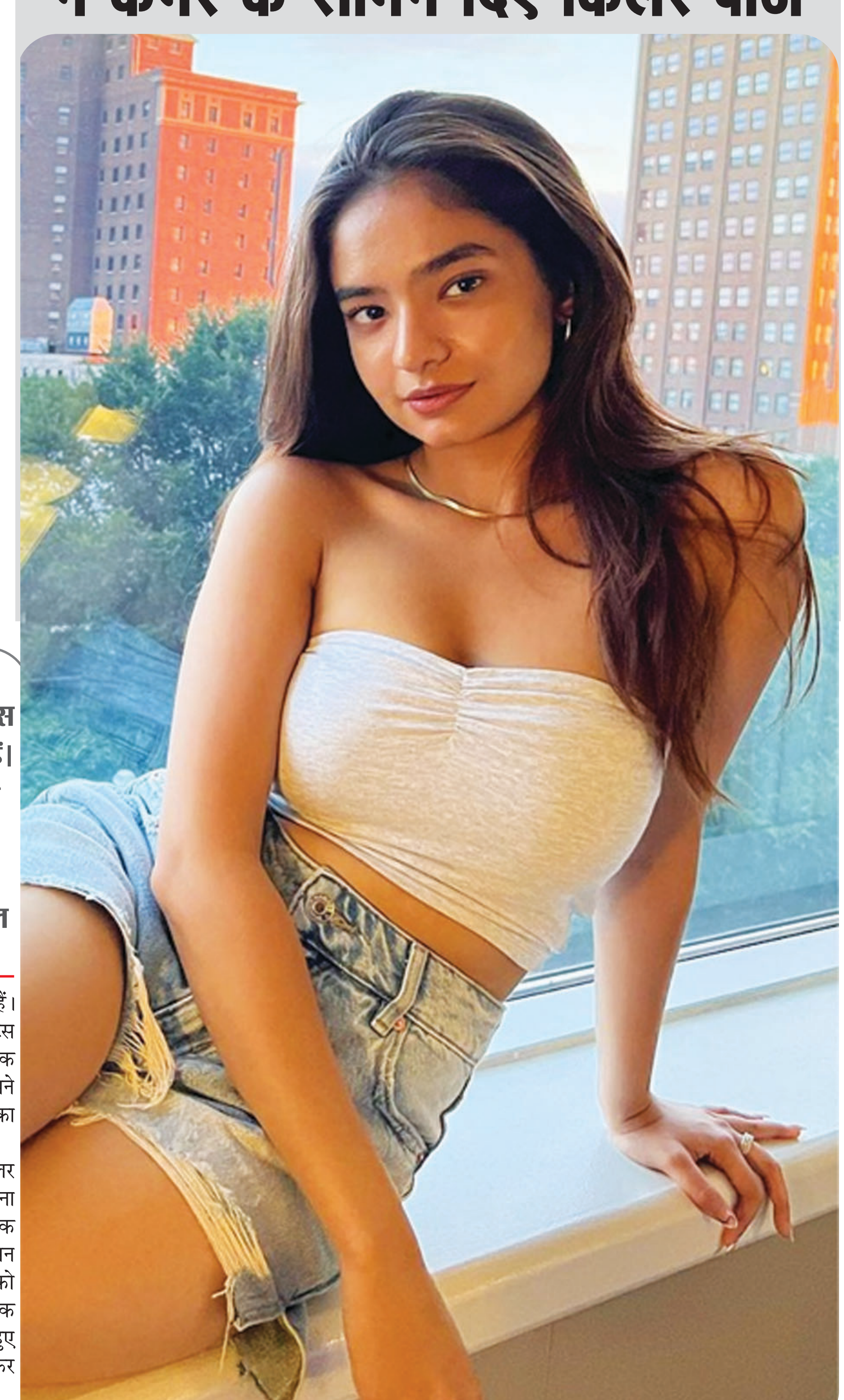

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों के कारण इंटरनेट पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर फिदा हो जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर लोग उनके हुस्न के दीवाने हो गए हैं।

अनुष्का सेन की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने पिंक कलर का बेहद ही सिजलिंग आउटफिट पहना हुआ है। इन तस्वीरों में वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का हाई बन बनाकर, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है। हालांकि फैंस को भी उनका ये लुक काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। अनुष्का सेन की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही समय हुआ है और अब तक लाखों लोगों ने फोटोज पर लाइक कर दिया है।

फिल्म एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी: गोधरा का ट्रेलर जारी, 12 जुलाई को होगी रिलीज

27 फरवरी 2002 की रात गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती ट्रेन में लगी आग 22 साल बाद भी लोगों के जहन में नहीं बुझ पाई है। गोधरा कांड में करीब 59 लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद गुजरात में दंगे हुए। सालों बाद भी सवाल उठते हैं कि यह सिर्फ हादसा था या साजिश? अब दो दशक के बाद गोधरा कांड पर फिल्म आ रही है। 25 जून 2024 को गोधरा कांड पर बनी फिल्म एक्सीडेंट ऑर कॉन्सपिरेसी गोधरा का ट्रेलर जारी किया गया है। फिल्म में रणवीर शौरी ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत साबरमती ट्रेन के गोधरा रेलवे स्टेशन में पहुंचने से शुरू होती है। जैसे ही ट्रेन गुजरात के गोधरा के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंचती है, तोड़फोड़ के बाद ट्रेन में आग लग जाती है, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई। सवाल उठाता है- अटैक साबरमती में ही क्यों? इसे साजिश का नाम दिया गया। ट्रेलर में एक महिला ने कहा, हजारों लोगों का मर्डर, गैंगरेप, यह साजिश नहीं तो और क्या है।

फिल्म में वकील की भूमिका निभा रहे रणवीर शौरी कोर्ट में दलील देते नजर आये कि साबरमती ट्रेन को जलाया नहीं गया है, उसको जलने दिया गया। यह प्रशासन सिर्फ एक कहानी बता रहा है अपनी गैरजिम्मेदारियों को कवर करने के लिए। रणवीर शौरी सवाल उठाते हैं, जब वह अटैक हुआ तो आरपीएफ कहां थी। गलती से जब उस ट्रेन में आ लग गई तो फायर ब्रिगेड कहां था। यह साजिश नहीं। ओम त्रिनेत्र फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म गोधरा का निर्देशन एमके शिवाक्ष ने किया है। बीजे पुरोहित निर्मित फिल्म में रणवीर के अलावा अक्षिता नामदेव, मनोज जोशी, हितु कनौडिया और देनिशा घुमरा हैं। फिल्म सिनेमाघरों में 12 जुलाई को रिलीज हो रही है।

खास खबर

31 अगस्त तक डायरिया रोको अभियान रहेगा जारी

बीजापुर। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय की अध्यक्षता में 3 जुलाई को जिला टास्क फोर्स की बैठक की गई है जिसमें कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में डायरिया से होने वाले मृत्यु की रोकथाम के उद्देश्य से जिले में 1 जुलाई से 31 अगस्त तक डायरिया रोको अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में शून्य से 5 वर्ष के बच्चों को डायरिया से बचाव हेतु मितानिन, आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घर-घर सर्वे कर, हाथ धोने की विधि, जीवन रक्षक घोल बनाये जाने तथा ओ.आर.एस. जिंक की महत्ता, दस्त होने पर भी मां के दूध पिलाने की आवश्यकता तथा शौच हेतु टॉयलेट की उपयोग के बारे जानकारी दी जा रही है। जल जनित बीमारियों को ध्यान में रखते हुए घरों में तथा कुओं, जल स्त्रातों की साफसफाई एवं संक्रमण को रोकने हेतु क्लोरीन टेबलेट्स वितरीत किया जाना है। जिले के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में ओ.पी.डी. तथा आई.पी.डी. वार्ड में ओआरएस जिंक कार्नर की स्थापना की गई है। अभियान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों में पिछले 3-4 महीनों में डायरिया से प्रभावित 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की जानकारी तैयार करना, एवं सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में ओआर टी कार्नन के लिए ओआरएस जिंक टेबलेट के स्टाक स्वास्थ्य विभाग से समन्वय करके रखना, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा खुले में कूड़ा फेंकने से रोकने, नालों की सफाई, बाजारों, खाद्य विक्रय क्षेत्रों, शहरी झुग्गी झोपड़ी पर विशेष ध्यान देते हुए स्वच्छ भारत मिशन अंर्तगत विशेष स्वच्छता रखा जाना, प्रतिदिन कचरे के संग्रहण एवं परिवहन की व्यवस्था, वर्षा की स्थिति में कचरे के संग्रहण एवं परिवहन की विशेष व्यवस्था कराना, घर घर जागरूकता अभियान, हाथ धोने, कूडा न फैलाने, साफ-सफाई की जानकारी दी जाएगी।

अंधियारखोर में मनाया गया भव्य जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

बेमेतरा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा जिला अंतर्गत वि.ख. नवागढ़ के ग्राम अंधीयारखोर के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। इस दौरान अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद दुर्ग संभाग विजय बघेल, स्थानीय विधायक दिपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय तिवारी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी आम नागरिक व स्कूल के बच्चे उपस्थित हुये। जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण को रंग-बिरंगे झंडों और फूलों से सजाया गया था, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की छायाचित्र में खाद्य मंत्री व अन्य विशिष्ट अतिथियों के द्वारा पारंपरिक रूप से पूजा अर्चना और दीप प्रज्वलन करके की गई।

अरुण साव केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री खट्टर से की मुलाकात

प्रधानमंत्री आवास योजना में 19906 नए आवास स्वीकृत करने का किया आग्रह

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 516 करोड़ और वेस्ट-टू-इलेक्ट्रिसिटी प्लांट के लिए 400 करोड़ की स्वीकृति का किया अनुरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगरीय निकायों की बड़ी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने शहरों की इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए आवश्यक राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। राज्य की शहरों के विकास की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए यहां संचालित केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री को दी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में हुई मुलाकात के दौरान वर्तमान में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत या आगामी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत बीएलसी घटक के अंतर्गत 19 हजार 906 नए आवास स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने खट्टर को बताया कि छत्तीसगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 516 करोड़ 20 लाख रुपए का एक्शन प्लान स्वीकृति के लिए भारत सरकार को भेजा गया है। रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई निकायों के क्लस्टर तथा बिलासपुर, रतनपुर, बोदरी एवं मुंगेली में सूखे कचरे के निपटान के लिए 10 मेगावाट का वेस्ट-टू-इलेक्ट्रिसिटी प्लांट लगाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपए की परियोजना का प्रस्ताव भी भेजा गया है। उन्होंने इन दोनों कार्यों के लिए राशि मंजूर करने के साथ ही रायपुर और बिलासपुर को छोड़कर शेष नगर निगमों में इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी की स्थापना के लिए लगभग 800 करोड़ रुपए की स्वीकृति का भी अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री साव ने भारत सरकार के नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन के अंतर्गत नगरीय निकायों की संपूर्ण कार्य प्रणाली को आईटी-इनेबल्ड बनाने 200 करोड़ रुपए के अनुदान की स्वीकृति का आग्रह केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री से किया। उन्होंने राज्य के नवगठित 15 नगरीय निकायों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शामिल कर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं वेस्ट वाटर मैनेजमेंट परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि प्रदान करने का अनुरोध किया।

श्री साव ने मिशन अमृत तथा अमृत 2.0 में शामिल नगरीय निकायों के साथ ही अन्य नगरीय निकायों में भी जलप्रदाय योजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि मंजूर करने का आग्रह किया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने श्री साव की मांगों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बीएसएनएल को भिलाई निगम ने भेजा कुर्की नोटिस, संपत्तिकर का 45 लाख से ज्यादा है बकाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का आफिस सेक्टर 1 एवं सेक्टर 5 भिलाई में है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धाराओं के अंतर्गत बकाया संपत्तिकर राशि रूपये 4574914.00 की वसूली हेतु मांग पत्र जारी किया गया था। किन्तु बीएसएनएल द्वारा निर्धारित अवधि में देय बकाया संपत्तिकर का भुगतान नहीं किया गया।

निर्धारित अवधि में बकाया राशि का भुगतान नहीं किये जाने के कारण निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने बाल कृष्ण नायडू सहायक राजस्व अधिकारी को बकाया राशि की वसूली के लिए अधिकृत किया है। नगर निगम अधिनियम की धारा 177 एवं 178 के तहत मांग राशि के अनुसार संस्था में जाकर सूर्यास्त के बीच बीएसएनएल कार्यालय को सील करें। अधिनियम के प्राप्त शक्तियों में यह भी निद्रिष्ट है कि भवन स्वामी के बाहरी या भीतरी दरवाजे एवं अन्य खिड़खी को खोलकर तोड़ने के लिए भी प्राधिकृत किया जाता है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मौके पर पहुंच के निगम प्रशासन एवं पुलिस बल, पुलिस फोर्स एवं तोड़फोड़ विभाग के दस्ते के साथ कार्रवाई की जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी प्रबंधक भारत संचार निगम लिमिटेड भिलाई-दुर्ग की होगी।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस सचिव गुरमीत हनी सिंह भाजपा में, सैकड़ों साथियों के साथ हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव गुरमीन हनी सिंह ने पार्टी को बड़ा झटका दिया है। गुरमीत हनी ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के समक्ष अपने सैकड़ों साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसर गुरमीत हनी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी को छोड़ दिया है। उन्होंने वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन एवं अन्य पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में अपने सैकड़ों युवा साथियों के साथ विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक दल भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली।

इस अवसर पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने गुरमीत हनी सिंग को बीजेपी का गमछा पहनाकर उनको पार्टी में शामिल करवाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गिधपुरी और दामाखेड़ा को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिला स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में नित नए प्रगति के सोपान तय कर रहा है। इसी कड़ी में जिले के पलारी ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गिधपुरी और सिमगा के दामाखेड़ा को गुणवत्ता पूर्ण सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिश्वर के अनुसार राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र (एन क्यू ए एस) उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर से दिया जाता है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के 12 चिकित्सालयों को अब तक यह प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है।

सीएमएचओ से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए जिला ,राज्य और राष्ट्रीय तीन स्तरों पर मूल्यांकन होता है। अंतिम मूल्यांकन हेतु अन्य प्रदेश से निरीक्षण

टीम आती है। 70 प्रतिशत से अधिक के स्कोर पर ही स्वास्थ्य संस्था को यह प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाता है। मूल्यांकन में गिधपुरी को 81.29 तथा दामाखेड़ा को 88.77 प्रतिशत अंक मिले हैं। मूल्यांकन में सुविधा उपलब्धता,मरीजों के अधिकार ,इनपुट ,सपोर्ट सर्विस,क्लीनिकल सर्विस,संक्रमण रोग की रोकथाम, गुणवत्ता प्रबंधन और परिणाम शामिल किया गया है।

सीएमएचओ के अनुसार सिमगा और पलारी के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ पारस पटेल और डॉ बी एस ध्रुव को मार्गदर्शन की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके देखरेख में उक्त स्वास्थ्य केंद्रों के समस्त स्टाफ के सामूहिक प्रयास और मेहनत से यह उपलब्धि हासिल हुई है। इस प्रकार जिले में अब कुल 12 स्वास्थ्य केंद्र हैं जो यह गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं। इन संस्थाओं से पूर्व कटगी, बरपाली,हथबंद,जर्वे,मोपका जबकि आयुष्मान आरोग्य मंदिर ससहा,जारा, बया,देवपुर,रामपुर को यह प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सृष्टि मिश्रा के अनुसार जिले में इस वर्ष 45 और अन्य स्वास्थ्य केंद्र हैं जो एन क्यू ए एस प्रमाण पत्र हेतु प्रयासरत हैं एवं जिन्हें जिले से प्रशिक्षित कर टीम बनाकर सहयोग दिया जा रहा है। आशा है गुणवत्तापूर्ण सेवाओं हेतु उक्त संस्थाओं द्वारा अच्छा प्रदर्शन कर प्रमाण पत्र हासिल किया जायेगा।

राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सवः जब मुख्यमंत्री से मिली साइकिल तो छात्राओं ने सामूहिक रूप से घंटी बजाकर जताया उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के ग्राम बगिया में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर आज यहां छात्र छात्राओं के लिए खुशियों भरा दिन रहा। जहां एक ओर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के मुखिया और जशपुर के माटी पुत्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं दूसरी तरफशाला प्रवेशोत्सव में नव प्रवेशी बच्चों के अभिनंदन के साथ उन्हें उपहार देने के साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने 9 वीं कक्षा में प्रवेशित छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल का वितरण किया।

छात्राओं ने साइकिल मिलने की खुशी सामूहिक रूप से साइकिल की घंटी बजाकर जाहिर की और मुख्यमंत्री श्री साय का आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को अच्छे से पढ़ाई कर बेहतर परिणाम के साथ अपने माता-पिता और बगिया सहित प्रदेश का नाम रोशन करने की बात कहते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर रायमुनी भगत, विधायक पत्थलगांव गोमती साय, विधायक आरंग गुरु खुशवंत साहेब, जिला पंचायत अध्यक्ष जशपुर शांति भगत, उपाध्यक्ष उपेन्द्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना से छात्राओं को मुफ्त साइकिल प्रदान की जाती हैं। इस योजना के तहत शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाली कक्षा 9 वीं की छात्राओं को निशुल्क साइकिल प्रदान की जा रही है, ताकि संसाधनों के अभाव में और दूरी के कारण छात्राएं अपनी पढ़ाई बीच में ना छोड़े।

साइकिल मिलने पर छात्राओं के चेहरे पर खुशी साफझलक रही है। छात्राओं का कहना है कि नि:शुल्क साइकिल मिलने की उन्हें काफी खुशी है और अब उन्हें अपने स्कूल तक आने-जाने में सहूलियत होगी। वे जल्दी स्कूल पहुंच सकेंगी, जिससे उनके समय की बचत होगी, साथ ही पढ़ाई पर उनका फोकस और मजबूत होगा।

स्थानीय देवी-देवताओं के नाम पर होगा पौधरोपण : केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में व्यापक पौधरोपण की मुख्यमंत्री साय की मंशानुरूप वन मंत्री केदार कश्यप ने वन महोत्सव के दौरान विविध वृक्षारोपण क्षेत्रों के नाम स्थानीय देवी-देवताओं के अनुरूप रखने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन एवं वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा दिए गए निर्देशानुसार राज्य में वन एवं पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 3 करोड़ 93 लाख से अधिक पौधों के रोपण किया जा रहा है, जिसमें से 2 करोड़ 82 लाख 35 हजार पौधों का रोपण किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत हो रहा है। राज्य में अब तक सवा करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत पौधों का रोपण पूरा करने का लक्ष्य है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने निर्देश दिए हैं कि समस्त वृक्षारोपण क्षेत्रों का ग्रामीणों की सहमति के उपरांत स्थानीय देवी-देवताओं के नाम से नामकरण किया जाए, जिससे ग्रामीणों की वृक्षारोपण के प्रति श्रद्धा और आस्था बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने गैर शासकीय संस्थाओं, पंचायती राज संस्थाएं, स्थानीय

निकायों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ पर्यावरण से जुड़े नागरिकों को वृहद पौधरोपण के कार्य में उनको भी सहभागी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। वन मंत्री द्वारा प्रतिदिन पौधरोपण की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और पौधरोपण की सफलता पर विशेष ध्यान देते हुए समयावधि में पर्याप्त मात्रा में खाद, उर्वरक एवं कीटनाशक का उपयोग कर पौधरोपण किया जाएगा। इसके साथ ही वन क्षेत्रों में लघु वनोपज आधारित फलदार वृक्षों के रोपण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''एक पेड़ मां के नाम'' लगाए जाने की अपील देशवासियों से की है। प्रधानमंत्री मोदी की अपील का छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ में 11 जुलाई को वन महोत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन होगा।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बुजुर्ग हुआ उठाईगिरी का शिकार

रायपुर (ए.)। ई-रिक्सा में एक बुजुर्ग उठाईगिरी का शिकार हो गया। अज्ञात दो महिलाओं ने बुजुर्ग के बैग में रखे नकदी ढाई लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हुमन लाल वर्मा 62 वर्ष पठारीडीह पलारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी ई-रिक्सा में बैठकर कहीं जा रहा था, तभी रिक्सा में सवार अज्ञात दो महिलाओं ने बुजुर्ग के बैग से नकदी रकम 2 लाख 50 हजार रुपए पार कर दिया। जब प्रार्थी को पता चला तो उसने इसकी शिकायत कोतवाली थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान का ताला टूटा, नकदी सहित जेवर पार

रायपुर (ए.)। अयोध्या नगर चंगोराभाठा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया रामेश्वरी चंद्राकर 55 वर्ष अयोध्यानगर चंगोराभाठा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि 20 से 21 जून के मध्य अज्ञात चोर ने प्रार्थिया के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

गोदाम से हजारों का सामान गायब

रायपुर (ए.)। पैकरा इस्पात के सामने नेवरा स्थित गोदाम में प्रवेश कर अज्ञात चोर ने टूल्लू पंप, ग्लाइंडर मशीन व अन्य सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मिली जानकारी केअनुसार प्रार्थी सुधांसू शर्मा 31 वर्ष शिक्षक कालोनी तिल्दा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि पैकरा इस्पात के सामतने उसका गोदाम है। जिसमें अज्ञात चोर ने प्रवेश कर गोदाम में रखे टूल्लू पंप, ग्लाइंडर मशीन व अन्य सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

बाहर खड़ी बाइक का चक्का पार

रायपुर (ए.)। गुरुघासीदास प्लाजा के पास खड़ी बाइक से अज्ञात चोर ने चक्का पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी पिंटू रजक 25 वर्ष गुरूघासीदास प्लाजा के पास रहता है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी होण्डा बाइक को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने बाइक का चक्का पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 2 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ऑटो व वैन चालकों द्वारा स्कूली बच्चों के परिवहन में लापरवाही, ट्रैफिक पुलिस ने लगाया जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के स्कूलों में बच्चों को पहुंचाने के लिए निजी ऑटो व वैन को हायर किया जा रहा है। पैरेंट्स अपने बच्चों को सुरक्षित लाने ले जाने के लिए मासिक शुल्क पर निजी ऑटो व वैन का सहारा ले रहे हैं। लेकिन कई ऐसे वाहन चालक हैं जो सुरक्षा की अनदेखी कर रहे हैं। दुर्ग यातायात पुलिस ने गुरुवार को ऐसे 20 ऑटो व वैन चालकों पर कार्रवाई की है जो सुरक्षा की अनदेखी कर रहे हैं। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों को समझाइश भी दी गई भविष्य में सुरक्षा मापदंडों की अनदेखी न करें।

बता दें जिले के एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने स्कूली बसों से लेकर स्कूली बच्चों को लाने ले जाने वाले निजी ऑटो व वैन की जांच के निर्देश दिए हैं। एसपी के निर्देश पर डीएसपी ट्रैफिक्र सतीष ठाकुर के साथ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एसएल लकड़ा के नेतृत्व में लगातार जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को टाउनशिप में निजी वाहन से स्कूली बच्चों का परिवहन करने वाले ऑटो व वैन की चेंकिग की गई। इस दौरान 20 वाहनो में परमिट, फिटनेश, बीमा एवं बिना लायसेंस के प्रकरण पाए गए।

इन सभी पर मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए 70 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही इन वाहन चालको को सुरक्षा मानकों को पूर्ण करओवर लोड बच्चों का परिवहन न करने तथा वाहन के संपूर्ण कागजात रखने कहा गया। डीएसपी सतीश ठाकुर ने कहा है कि जिले के सभी स्कूलों में संचालित होने वाले ऐसे वाहनों की चेकिंग की जाएगी। साथ ही इन वाहनों का सत्यापन भी किया जाएगा। स्कूल बसों में भी क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करते पाये जाने पर उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में दी गई यातायात नियमों की जानकारी

डीएसपी यातायात सतीश ठाकुर द्वारा शहरी क्षेत्र से लगे ग्राम मोहलाई के शासकीय विद्यालय एवं नेवई के भिलाई पब्लिक स्कूल के स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया गया कि यातायात चार इ पर कार्य करता है जिसमें इंजीनियरिंग, एजुकेशन, इन्फोर्समेन्ट एवं इमरजेंसी। इन सभी के माध्यम से यातायात संचालित होता है। एजुकेशन के अंतर्गत बताया कि हमें सड़क संकेत की जानकारी देते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, नाबालिक वाहन न चलाये, नशे में वाहन न चलाये, दो पहिया वाहन में तीन सवारी न चलाने समझाईस दी गई। बच्चो के माध्यम से अपील की गई कि वें जब अपने घर जाये तो इन नियमों की जानकारी अपने परिजन को दें और शराब के नशे में वाहन न चलाने की सलाह दें।

21 डे चैलेंज को स्वीकारने वाले वाहन चालकों को एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने किया सम्मानित

एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर दुर्ग पुलिस द्वारा फॉलो गुड हेबिटस तहत 21 डे चैलेंज अभियान चलाया गया। जिसमें वाहन चालको को निरंतर 21 दिन हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने हेतु समझाईश दी गई जिससे वें 22वें दिन से स्वयं से हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने के आदि हो जाते है जो कि यातायात नियम के प्रति एक गुड हेबिटस होता है । इस अभियान में दुर्ग पुलिस द्वारा जो वाहन चालक इस चैलेंज को स्वीकार कर अपने फोटो ग्राफ्स यातायात हेल्प लाईन नंबर भेजे है। उन वाहन चालकों का पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जितेन्द्र शुक्ला, पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा अरविंद सिंह, प्रदीप विश्वकर्मा, हजिन्दर सिंह, भूपेन्द्र विश्वकर्मा, जितेन्द्र सोनवानी, रमेश, टीमक देशमुख, रविदमन ठाकुर, तामेश्वर साहू, कृष्णा चौहान, अभिताभ भट्टाचार्य, सुदर्शन साहू इन सभी को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

पुलिस की छापेमारी के दौरान बिल्डिंग से लगा दी थी छलांग

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप पैनल संचालक की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग-भिलाई। पिछले सप्ताह एंटी साइबर क्राइम यूनिट की टीम ने हैदराबाद में दबिश देकर ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले थे। इनमें से एक आरोपी ने बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। जिसका अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है।

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप हैदराबाद पैनल संचालक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। उसने पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसकी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक का नाम सुजीत कुमार साव निवासी भिलाई बताया जा रहा है।

पिछले सप्ताह एंटी साइबर क्राइम यूनिट की टीम ने हैदराबाद में दबिश देकर ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल समेत लाखों का लेखा-जेखा बरामद किया। एंटी साइबर क्राइम यूनिट एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि भिलाई के कुछ युवक ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल हैदराबाद के तेलंगाना में चला रहे थे। सूचना मिलने के बाद एक टीम गठित कर टीम को रवाना किया गया। जहां एक मकान में छापामार कार्रवाई की। जहां पैनल संचालित करते

एक नाबालिग समेत छह युवकों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल फोन, सट्टे का लेखा-जेखा, बैंक खाते, एटीएम और अन्य सामान बरामद किया। दुर्ग क्राइम ब्रांच की टीम तेलंगाना के गच्चीबाउली पहुंची थी। जहां एक मकान में ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल संचालित किया जा रहा था। जहां भिलाई के कैंप निवासी सुजीत साव के द्वारा पैनल चल रहा था और कार्रवाई के दौरान उसने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। जिसके बाद उसके अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां अब इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है।

तेज रफ्तार बाइक ने मारी बाइक सवार को टक्कर

बिलासपुर (ए.)। बिलासपुर जिले में गुरुवार की शाम दो बाइक में जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कूली छात्रा और उसके बड़े भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी बाइक में सवार दो लोग बुरी तरह से घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। ग्राम पीपरपारा में रहने वाली प्रियंका पैकरा (15) नौवमीं कक्षा की छात्रा है। गुरुवार को वह अपने बड़े भाई केवल सिंह के साथ किसी काम से रतनपुर गई थी। जहां काम निपटाने के बाद दोनों भाई-बहन बाइक में सवार होकर गांव लौट रहे थे। उनकी बाइक अभी ग्राम खैरा और पचरा के बीच पहुंची थी। उसी समय सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

इस हादसे में केवल सिंह बाइक समेत फिसल कर दूर जा गिरा। वहीं उसकी बहन भी सड़क में गिर कर बुरी तरह घायल हो गई। दोनों बदहवास सड़क पर पड़े थे। वहीं, दूसरी बाइक में सवार दो लोग भी खून से लथपथ बहोश पड़े थे। आसपास के लोगों के साथ ही भीड़ ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, दूसरी बाइक में सवार दो लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उनकी बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए उनकी पहचान कर रही है। इस घटना के बाद गांव के लोगों ने घायल छात्रा के परिजन को इस घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही उनके परिजन भी घटनास्थल पहुंच गए। जिसके बाद उन्होंने पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

गोली कांड का एक और आरोपी गिरफ्तार, नागपुर में पुलिस दबोचा

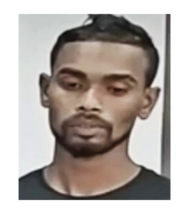

भिलाई। टाउनशिप में ग्लोब चौक के पास हुए गोली कांड का एक और आरोपी पकड़ा गया है। गोली कांड का फरार आरोपी सागर बाग उर्फ डॉगी को दुर्ग पुलिस की टीम ने महाराष्ट्र के नागपुर शहर से धरदबोचा है। इस मामले में पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब केवल मुख्य आरोपी अमित जोश की गिरफ्तारी शेष रह गई है।

गौरतलब रहे कि कि 25 व 26 जून की दरम्यानी रात्रि 1:20 बजे घटनास्थल ग्लोब चौक सेक्टर 10 पुलिया के पास सेंट्रल एवेन्यू रोड में अमित जोश एवं उसके साथी सागर बांध उर्फ डॉगी, अंकुर शर्मा एवं यशवंत नायडू के द्वारा विश्रामपुर निवासी रमनदीप व उसके दो दोस्त आदित्य सिंह एवं सुनील यादव पर फायर किया गया था। इस गोलीकांड में आदित्य सिंह एवं सुनील यादव को गोलियां लगी थी। इस घटना में शामिल दो आरोपियों में अंकुर शर्मा और यशवंत नायडू को भिलाई नगर पुलिस गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि अमित जोश एवं सागर बाग उर्फ डॉगी की तलाश की जा रही थी। अब पुलिस ने सागर बाग उर्फ डॉगी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

गाली देकर जान से मरवाने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए.)। एक व्यक्ति को जाति सूचक गाली देकर उसे जान से मरवाने की धमकी देने वाले लोकेशन इंचार्ज को पुलिस ने राजधानी रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना दिनांक से फरार चल रहा था। मामले की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी धनपत ध्रुव पिता ईश्वर लाल ध्रुव उम्र 33 साल निवासी वार्ड नं. 20 डबरी पारा पेण्ड्री थाना लालबाग जिला राजनांदगांव द्वारा पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के समक्ष अमित मिश्रा लोकेशन इंचार्ज राजनांदगांव के खिलाफ जातिसूचक गाली गलौच किये जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने शिकायत किया था। मामले की जांच उपरांत आरोपी अमित मिश्रा द्वारा घटना दिनांक समय को प्रार्थी धनपत ध्रुव को गोंड़ जाति का होना जानते हुये जो अनुसूचित जनजाति का सदस्य है, को सार्वजनिक रूप से गवाहों के समक्ष जातिसूचक अश्लील गाली गलौच कर जान से मरवाने की धमकी देना पाये जाने से थाना कोतवाली राजनांदगांव में आरोपी अमित मिश्रा के खिलाफ 2 जुलाई 2024 को धारा 294,506 भा द वी 3 (1) द ,3 (1) एट्रोसिटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। वहीं शिकायत की खबर मिलते ही आरोपी फरार हो गया था।

मामले में पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे थाना कोतवाली पुलिस एवं सायबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम गठित कर आरोपी के पतासाजी हेतु उसके निवास गायत्री कालोनी राजनांदगांव रवाना किया गया। जहां वह नही मिला। इसके बाद मुखबीर की सूचना पर रायपुर से आरोपी अमित मिश्रा पिता स्व. हरिशचंद्र मिश्रा 39 वर्ष निवासी ई/19 गायत्री कालोनी राजनांदगांव थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव को पकड़कर राजनांदगांव लाया गया। प्रकरण मे एक्ट्रोसिटी एक्ट का धाराये लगने से प्रकरण की विवेचना पुष्पेन्द्र नायक नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव करते हुए आरोपी से घटना के संबंध मे पूछताछ करने पर अपराध स्वीकार करने पर 4 जुलाई 2024 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया।

नया रायपुर में बाईक स्टंट करने वाले युवक पर कार्यवाही

बाईक स्टंट करते मिला विडियो, सस्पेंड किया लायसेंस

रायपुर (ए.)। रायपुर यातायात पुलिस ने नया रायपुर की सड़कों में लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से बाईक स्टंट करने वाले गैंग के मुखिया को पकड़ा है तथा वाहन जब्त कर उसके खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

बता दें कि यातायात पुलिस रायपुर को सोशल मीडिया के माध्यम से नया रायपुर की सड़कों में लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से बाईक स्टंट करते विडियो प्राप्त हुआ, जिसपर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर ओम प्रकाश शर्मा के संज्ञान में आने पर उक्त बाईकर्स का पता तलाश कर बाईक सहित पकड़ने आदेश दिया। उक्त आदेश पर उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर गुरजीत सिंह एवं सुशांतो बनर्जी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी यातायात भनपुरी अनिष सारथी एवं हमराह स्टाफ द्वारा उक्त बाईकर्स के वाहन के रजिस्ट्रेशन नम्बर के आधार पर उनके घर का पता तलाश किया गया व मौके पर ही बाईक सहित बाइकर्स को थाना लाया गया। जहॉ पूछताछ करने पर बाइकर्स द्वारा अपना नाम मुकेश चंद्राकर उर्फ मुक्कु बताया। ये रांवाभाठा में आटो पार्ट्स की दुकान में सेल्समेंन का काम करते है। उनका इंस्टाग्राम पर "mukku100" नाम से आई.डी. बना है जिसमें फेमस होने के लिए अपने बाईक केटीएम सीजी 04 एनडी 3569 से नया रायपुर की सड़कों पर बाईक स्टंट करके वीडियो बनाकर इडिटिंग करके वीडियो फुटेज अपलोड करते है, इससे ये फेमस होने के साथ ही अच्छा खासा पैसा भी कमा लेता है।

चेक करने पर इनके इंस्टाग्राम मे 25,000 फालोवर्स है, जिसमें बहुत से कंपनियों द्वारा अपना एप्लीकेशन प्रमोट करने के लिए इन्हें पैसे का ऑफर किया जाता है जिससे इनकी अतिरिक्त कमाई भी हो जाता है। नया रायपुर की सड़कों पर लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से बाईक स्टंट करने के परिणाम स्वरूप यातायात पुलिस रायपुर वाहन जप्ती की कार्यवाही कर प्रकरण न्यायालय भेजा गया जहां न्यायालय द्वारा मोटर यान अधिनियम की धारा 184, 39/192, 182(A)4 के तहत चालक - मालिक को 11000 रूपए के अर्थ दण्ड से दंडित किया गया साथ ही चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन करने के लिए प्रतिवेदन परिवहन कार्यालय भेजा गया। इस दौरान वाहन चालक को भविष्य में दोबारा बाइक स्टंट करने पर कानूनी कार्यवाही करने की चेतावनी देकर छोड़ा गया। कार्यवाही के दौरान उक्त बाईकर्स मुकेश चंद्राकर उर्फ मुक्कु एवं उनके परिजनों को डीएसपी ट्रैफिक गुरजीत सिंह द्वारा समझाया गया कि बाईक स्टंट करना खतरनाक है, इससे आपकी व दूसरे वाहन चालक की जान भी जा सकती है। केवल फेमस होने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना बेवकूफी है, भविष्य में दोबारा ऐसी गलती कभी मत करना नही तो कानूनी कार्यवाही की जायेगी समझाने पर आरोपी चालक मुकेश चंद्राकर उर्फ मुक्कु एवं उनके परिजनों द्वारा अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में दोबारा कभी बाईक स्टंट नही करने का संकल्प लिया तथा दूसरे वाहन चालकों को भी बाइक स्टंट नही करने की अपील की गई।

अवैध शराब तस्करी करने वाला गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। मुखबिर सूचना मिला की घटनास्थल के पास एक व्यक्ति अपने पास अवैध रूप से शराब रखकर बेच रहा है कि मुखबिर सूचना तस्दीक हेतु मौके पर जाकर संदेही को घेराबंदी कर पकड़ कर पूछताछ करने पर अपना नाम रामखिलावन निषाद पिता दीनदयाल निषाद 36 वर्ष पता सूरज नगर लाभांडी थाना तेलीबांधा रायपुर का रहने वाला बताया जो अपने पास एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में 15 पौवा अंग्रेजी शराब जम्मू डीलक्स व्हिस्की एवं बिक्री रकम 240 रुपया मिला मौके पर गवाहों के समक्ष मुताबिक जपती पत्रक के जप्त कर सील बंद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(1) ब आबकारी एक्ट का पाया जाने से अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

कार्यालय प्रभारी चिकित्साधिकारी सिविल अस्पताल
सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
civilhospitalsupela@gmail.com
Cont.-0788-4912255

क्रमांक / सि.अ./निविदा/2024/656 सुपेला, दिनांकः 02-07-2024

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग में उपचारार्थ आंतरिक मरीजों हेतु भोजन एवं संपूर्ण आहार (भोजन, चाय, नास्ता, फल इत्यादि) संचालन हेतु निविदा पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से अधिकृत / संस्था / समूह पंजीकृत संस्था इत्यादि उल्लेखित तिथी अनुसार आमंत्रित किया जाता है, जिसका नियम एवं शर्तों का अवलोकन कार्यालयीन दिवस पर प्रातः 11:00 बजे से शाम 05:30 बजे तक कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग से प्राप्त किया जा सकता है।

1. निविदा प्रपत्र मूल्य - रू. 1000.00 (वापसी आयोग्य)
2. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथी -18/07/2024 कार्यालयीन समय में
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथी -22/07/2024 दोपहर 04:00 बजे तक
4. निविदा खोले जाने की तिथी -23/07/2024 दोपहर 03:00 बजे

सीलबंद निविदाएं, कार्यालय सिविल अस्पताल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन-490023 के नाम से रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट / कोरियर से कार्यालय में अंतिम तिथि तक पहुंच जाने चाहिए, समय पश्चात् प्राप्त निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा, वह स्वमेव निरस्त मानी जावेगी। लिफाफे के ऊपर विषय अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए।

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तित किया जा सकता है, जिसकी सूचना कार्यालय के सूचनापोर्टल में चस्पा कर दी जावेगी।

(निविदा शर्तों का सही व पूर्णतः अध्ययन करने के बाद ही निविदा में भाग लें।)

प्रभारी चिकित्साधिकारी
सिविल अस्पताल सुपेला, भिलाई
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

G-242500778/3

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

मुख्यमंत्री साय के सुशासन का जनदर्शन

आग्रह अनुरोध लेकर पहुंचे सैकड़ों लोग

मुख्यमंत्री ने संयम के साथ सुनी समस्याएं और मौके पर अधिकारियों को निराकरण का दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में जनदर्शन की पुरानी परंपरा को फिर से शुरू कर दिया है। लगातार दूसरे सप्ताह सीएम साय के पास आग्रह व अनुरोध लेकर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के साथ ही दूसरे दराज के जिलों से भी लोग सीएम साय के पास सीधे अपनी समस्या रखी। लोगों ने उत्साव पूर्वक जनर्शन में हिस्सा लिया और अपने चहेते सीएम से अपनी समस्याओं का समाधान कराया। जनदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री साय ने सभी का मान रखा और सरकार की ओर से लोगों की समस्याओं का समाधान भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के पास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उनसे आवेदन लिए और मौके पर ही ट्राईसायकल सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए। बागबाहरा वन क्षेत्र में निवासरत कमार परिवारों के बेदखली की नोटिस की जांच के निर्देश वन अधिकारियों को दिए। रायपुर के अशोका रतन कॉलोनी के समीप की सड़क की मरम्मत कराने तथा आरक्षक भरत लाल बरेठ के किडनी प्रत्यारोपण एवं इलाज के बकाया देयक के भुगतान के संबंध में उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मोती लाल पटेल की पांच साल की बेटी डॉली जो थैलेसीमिया से पीड़ित है, उसके इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए। सक्ती जिले के मालखरौदा विकासखण्ड के ग्राम परसा की रहने वाली कैंसर पीड़ित मितानीन उर्मिला देवी को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मदद देने की बात कही।

जनदर्शन का असर - मुख्यमंत्री का आभार जताने पहुंचे किसान

मुख्यमंत्री के जनदर्शन का असर मैदानी स्तर पर दिखने लगा है। राजधानी रायपुर से सटे सेजबहार के युवा किसान ललित साहू अपने गांव के अन्य किसानों के साथ आज प्रदेश के संवेदनशील मुखिया विष्णु देव साय को धन्यवाद देने आए थे। उन्होंने और उनके साथी किसानों ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात कर अपने खेतों से लगी शासकीय जमीन के कब्जामुक्त होने के बाद खेत आने-जाने के लिए पुनः रास्ता मिल जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

सेजबहार के किसान ललित साहू, कामता प्रसाद, शारदा राम साहू, लाकेश्वर प्रसाद साहू और कामता प्रसाद साहू विगत 27 जून को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहले जनदर्शन में अपनी समस्या लेकर आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व अमले की टीम ने गांव पहुंचकर शासकीय भूमि को कब्जामुक्त करा लिया है।

झोलाछाप डॉक्टर के शिकार अनुज ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में आज तिल्दा नेवरा इलाके के ग्राम तुलसी निवासी अनुज बंजारे अपनी पत्नी पूर्णिमा और बेटे दीपेश बंजारे के साथ पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वो तिल्दा के सब्जी मंडी में हमाल का काम करते हैं। 24 अगस्त 2023 को उनके पुत्र का बायां हाथ खेलते हुए फैक्चर हो गया। तुरंत उन्होंने स्थानीय चिकित्सक के क्लिनिक जाकर उसका इलाज करवाया, जहां डॉक्टर ने 1700 रुपए लेकर प्लास्टर किया। आराम ना मिलने पर बेटे को दूसरे अस्पताल ले गए, जहां पता चला कि प्लास्टर गलत तरीके से किया गया है, जिसके कारण हाथ में मवाद और सूजन आ गया है। वहां से रायपुर मेकाहारा रेफर किया गया। बेटे का इलाज के लिए एम्स रायपुर गए तो वहां के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का हाथ कभी ठीक नहीं होगा और अब उसका बायां हाथ काम करना बंद कर दिया है ।

मुख्यमंत्री ने बागबाहरा वन क्षेत्र में निवासरत कमार परिवारों के बेदखली मामले की जांच के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित सप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में बागबाहरा वन क्षेत्र के कमार जनजाति परिवारों के आवेदन की सुनवाई की। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को वर्षों से बागबाहरा वन क्षेत्र क्रमांक 88 निवासरत कमार परिवारों को वहां से बेदखल किए जाने के लिए सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा जारी नोटिस की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनदर्शन में व्हीलचेयर मिलने से केवल को आगे पढ़ाई में मिलेगी मदद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज आयोजित जनदर्शन में दिव्यांगों की समस्याओं और मांगों से अवगत हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवेदनशीलता से केवल की बातों को सुनकर उन्हें तत्काल व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर तत्काल निराकरण करते हुए व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केवल को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़-लिखकर तरक्की करों और जीवन में एक सफल इंसान बनो। मुख्यमंत्री से दिव्यांगजनों ने आर्थिक सहायता, इलाज के लिए सहायता संबंधी आवेदन देकर समाधान का निवेदन किया। इस दौरान जिला रायपुर के आरंग विकासखंड के दिव्यांग केवल साहू ने आर्थिक सहायता हेतु मदद मांगी। केवल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उसके कमर से नीचे का हिस्सा काम नही करता है, जिससे उसे चलने-फिरने में दिक्कत आती है। इन दिक्कतों के कारण उसकी पढ़ाई भी छूट गयी है। उनके पिता मजदूरी का काम करते हैं, जिससे परिवार का खर्च बहुत मुश्किल से चल पाता है। व्हीलचेयर मिलने पर खुशी से गदगद होते हुए केवल और साथ आये उसके पिता कृष्णा साहू ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

नया राशन कार्ड मिलने पर महेश ने मुख्यमंत्री को 'जनदर्शन' में दिया धन्यवाद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के 'जनदर्शन से जरुरतमंदों को तुरंत राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री 'जनदर्शन' में पहुंचे लोगों से बड़े स्नेह से मिल रहे हैं और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित कर रहे हैं। रायपुर जिले के ग्राम माठ के महेश भोभरे का मां के निधन के बाद पत्नी के नाम से राशन कार्ड नहीं बन पा रहा था। विगत 27 जून को पहले 'जनदर्शन' में उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी इस समस्या की जानकारी दी। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तुरंत ही खाद्य विभाग को उनका राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर महेश के मुख्यमंत्री निवास से निकलने के पहले ही राशन कॉर्ड बन जाने की सूचना उन्हें मिल गई। मुख्यमंत्री साय की तत्परता से तुरंत राशन कार्ड बन जाने से खुश महेश आज मुख्यमंत्री से मिलने दोबारा 'जनदर्शन' में पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर परिवार के लिए नया राशन कार्ड मिलने पर धन्यवाद दिया और अपने परिवार की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

जनदर्शन में सुनने को मिला अजीबो-गरीब मामला

मुख्यमंत्री के जनदर्शन कार्यक्रम में आज बाईक चोरी का एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया। रायपुर के चौबे कॉलोनी निवासी भूपेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री को अपनी व्यथा बताई, कि कुछ समय पहले उनकी बाइक चोरी हो गई। अब दिक्कत यह है कि जिसने बाइक चुराई, वो ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहा है और दो बार उनके पास दो हजार रुपए का चालान आ

जनदर्शन में मुख्यमंत्री को बिटिया की शादी का न्यौता

गया है। मुख्यमंत्री ने ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों को भूपेन्द्र की बाइक दिलाने और चालान को माफ करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता का भरपूर प्यार मिल रहा है। आज जनदर्शन में बहुत सारे ऐसे आवेदन आए, जिसमें मुख्यमंत्री से लोगों ने उनकी योजनाओं से अपने जीवन में आई खुशहाली के लिए आभार व्यक्त किया। इनमें से एक चेतन भी थे, जो जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात कर अपनी बिटिया की शादी में शामिल न्यौता दिया। मुख्यमंत्री ने श्री चेतन को बिटिया के वैवाहिक कार्यक्रम के लिए अग्रिम बधाई दी और कहा कि आपकी बिटिया को मेरा भरपूर आशीर्वाद है। बिटिया सुखी रहे।

महतारी वंदन योजना का असर, जनदर्शन में पहुंचकर महिला ने जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनदर्शन कार्यक्रम में गुरुवार धमतरी जिला के मकेश्वर वार्ड नं 9 की निवासी वंदना प्रजापति और रीना सोनवानी पहुंची थी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत 5 वीं किश्त की राशि उनके खाते में आ गई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दी। वंदना प्रजापति और रीना सोनवानी ने कहा कि महतारी वंदन की हर माह मिलने वाली राशि से पूजा सामग्री और तीज-त्यौहार के लिए सामग्री सहित नई साड़ी खरीदूंगी। वंदना और रीना ने बताया कि हर माह एक हजार की राशि मिलने से आर्थिक सहायता मिल रही है। वर्तमान में बच्चों का स्कूल चालू हो गया है। ऐसे में अपने बच्चों के कॉपी, किताब, पेन्सिल और स्कूल फीस के लिए राशि का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, उसी प्रकार प्रत्येक माह एक-एक हजार रुपए मिलने वाली राशि से घर की गृहस्थी के संचालन में सहायाता मिल रही है। वंदना ने बताया कि जुलाई और अगस्त का महीना महिलाओं के तीज-त्यौहार, व्रत, अनुष्ठान के लिए माना जाता है। ऐसे में महतारी वंदन की एक हजार रुपए प्रति माह मिलने वाली राशि से पूजा सामग्री, फल-फूल खरीदने और अन्य घरेलू सामान खरीदने में व्यय करेगी।

दिव्यांग बच्ची के ऑपरेशन के लिए तत्काल दिया डेढ़ लाख का चेक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जनदर्शन में अपनी नातिन का इलाज करने की आस लेकर पहुंचे दोहत राम विश्वकर्मा को बड़ा सहारा मिला। दरअसल मुख्यमंत्री को जानकारी मिली की जनदर्शन में एक दस साल की दिव्यांग बच्ची दिव्या विश्वकर्मा बैठी हुई है । जिसके हाथ में विकृति है। परिवार की माली हालत खराब होने की वजह से बच्ची का इलाज नहीं हो पा रहा है। जबकि डॉक्टर्स का कहना है कि उसके हाथ का ऑपरेशन करके ठीक किया जा सकता है। जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल बच्ची को मंच में बुलाया , उसके परिजनों से पूरी जानकारी ली। दोहत राम विश्वकर्मा ने सीएम साय को बताया कि उनकी नातिन दिव्या विश्वकर्मा जब तीन वर्ष की थी तो उसे गेहूंआ सांप ने काट लिया था। जिससे उसका दायां हाथ गलने लगा था। जड़ी बूटियों से इलाज करने पर घाव तो सूख गया, लेकिन दायां हाथ विकृत हो गया। उसका इलाज करने के लिए वे लोग राजधानी रायपुर के निजी अस्पताल में डॉक्टर से मिले जहां डॉक्टरों ने बताया कि दिव्या का दो ऑपरेशन करना पड़ेगा। उसके हाथ की विकृति ठीक हो जाएगी पर लगभग डेढ़ से दो लाख रुपए का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल आर्थिक सहायता के निर्देश दिये और एक घंटे के भीतर मुख्यमंत्री ने स्वयं बच्ची को डेढ़ लाख रुपए का चेक सौंप दिया। विश्वकर्मा ने नातिन के इलाज के लिए मिली त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि अब दिव्या का हाथ ठीक हो जाएगा। मुख्यमंत्री जी को बहुत बहुत धन्यवाद।

जनदर्शन में दिए आवेदनों की जानकारी लोगों को ऑनलाइन पोर्टल पर मिलेगी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनदर्शन पहुंचने वाले लोगों को उनके आवेदन पर हुई कार्रवाई की अपडेट जानकारी जनदर्शन पोर्टल के माध्यम से घर बैठे मिलेगी। इसके लिए जनदर्शन पोर्टल में आवेदक को अपना टोकन नंबर डालना होगा। 04 जुलाई गुरूवार को आयोजित जनदर्शन में 1700 से अधिक आवेदन लोगों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सौपें। इससे पूर्व 27 जून को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में 1500 से अधिक आवेदन मिले थे, जिनका निराकरण संबंधित विभागों द्वारा तेजी से किया जा रहा है। जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों के लिए चाय और बिस्कुट की मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जनदर्शन में बारी बारी से एक-एक कर मिल रहे हैं और अपनी समस्या बताने के साथ ही आवेदन भी सीधे मुख्यमंत्री को दे रहे हैं। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय प्रत्येक लोगों

से बड़ी ही सहजता और आत्मीयता के साथ मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री बड़े ही धैर्य के साथ समस्या सुनते हैं और समस्या के यथा संभव समाधान के लिए प्रयास करने का भरोसा दिलाते हैं। आम जनता से मिलने वाले आवेदनों की कंप्यूटर में एंट्री कर करवाई के लिए संबंधित विभाग को भेजा जा रहा है। लोगों को आवेदन पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी घर बैठे ऑनलाइन जनदर्शन पोर्टल https//jandarshan.cg.nic.in पर टोकन नंबर से मिल सकेगी। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में आगंतुकों के लिए चाय, बिस्कुट, पानी के दो स्टाल लगाए गए हैं। एक हेल्थ स्टाल भी लगाया गया है, जहां बीपी, शुगर की नि:शुल्क जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। गौरतलब है कि आज 04 जुलाई गुरूवार को जनदर्शन में 1700 आवेदन मिले थे, जिसमें से ज्यादातर आवेदन आर्थिक सहायता, चिकित्सा सहायता, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, राजस्व विभाग से संबंधित थे। 27 जून को आयोजित प्रथम जनदर्शन कार्यक्रम में 1500 से अधिक आवेदन मिले थे, जिनमें से अधिकांश का निराकरण संबंधित विभागों द्वारा किया जा चुका है। शेष आवेदन निराकरण की प्रक्रिया में है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950